RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

साझा करें अपने मित्रों से
सांध्य दैनिक
दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग
लीपा पोती नहीं सिर्फ सच
संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

खेती में आई तेजी: 10 लाख 42 हजार हेक्टेयर में हो चुकी खरीफ फसलों की बुआई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य में खरीफ फसलों की बुआई तेजी से शुरू हो गई है। कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार 05 जुलाई की स्थिति में 10 लाख 42 हजार 640 हेक्टेयर रकबे में विभिन्न खरीफ फसलों की बुआई शुरू हो चुकी है, जो निर्धारित लक्ष्य का 22 फीसद है। अब तक खरीफ फसलों के तहत सर्वाधिक 8 लाख 87 हजार 880 हेक्टेयर में बोता धान की बोनी हुई है। इसके अलावा मोटे अनाज की 75,940 हेक्टेयर में, दलहन की 23,900 हेक्टेयर में, तिलहन की 18,810 हेक्टेयर में तथा सब्जी एवं अन्य फसलों की 28470 हेक्टेयर में बुआई पूरी कर ली गई है।

राज्य में खरीफ सीजन 2022 में 48 लाख 20 हजार हेक्टेयर रकबे में खरीफ फसलों की बुआई का लक्ष्य है, जिसमें 36 लाख 60 हजार 500 हेक्टेयर में धान, 3 लाख 14 हजार हेक्टेयर में मक्का, एक लाख 6 हजार हेक्टेयर में कोटो-कुटकी, 40 हजार हेक्टेयर में रागी की बुआई का लक्ष्य है। राज्य में 5 जुलाई की स्थिति में 7640 हेक्टेयर में धान का रोपा लगाया गया है। मक्का की 40,960 कोदो-कुटकी की 34,980 हेक्टेयर में बोआई कर ली गई है।

इसी तरह दलहन फसलों के अंतर्गत अरहर की एक लाख 70 हजार, मूंग की 33 हजार, उड़द की 2 लाख 10 हजार तथा कुल्थी की 35 हजार हेक्टेयर में बुआई का लक्ष्य रखा गया है, जिसके विरूद्ध अब तक 23900 हेक्टेयर में दलहन फसल की बोनी हो चुकी है। तिलहन फसलों के अंतर्गत मूंगफली, तिल, सोयाबिन, रामतिल, सूरजमुखी अरण्डी की बुआई 2 लाख 67 हजार 700 हेक्टेयर में बुआई के लक्ष्य के विरूद्ध 18810 हेक्टेयर में, तिलहन फसलों की बोनी तथा 28,470 हेक्टेयर में साग-सब्जी एवं अन्य फसलों की बोनी पूरी कर ली गई है।

चालू वर्षा मौसम में राज्य में 4 जुलाई की स्थिति में 179.7 मिमी वर्षा दर्ज की गई है, जो इसी अवधि की 10 वर्षों की औसत वर्षा 230.4 मिमी से 50.7 मिमी कम है। राज्य में बीते वर्ष 4 जुलाई तक 270.6 मिमी वर्षा दर्ज की गई थी।

खरीफ सीजन 2022 के लिए खाद एवं बीज की किसानों को आपूर्ति की व्यवस्था सहकारी समितियों के माध्यम से की गई है। खरीफ की विभिन्न फसलों के बीज की कुल मांग 10.05 लाख क्विंटल के विरूद्ध अब तक 7.11 लाख क्विंटल बीज का भण्डारण किया गया है। जिसके विरूद्ध किसानों द्वारा अब तक 4.75 लाख क्विंटल बीज का उठाव कर लिया गया है, जो कि भण्डारित बीज मात्रा का 67 प्रतिशत है। खरीफ में 13 लाख 70 हजार मेट्रिक टन रासायनिक उर्वरक के वितरण के लक्ष्य के विरूद्ध अब तक 10.43 लाख मेट्रिक टन खाद का भण्डारण सहकारी तथा निजी क्षेत्रों में करने के साथ ही 6.56 लाख मेट्रिक टन खाद का वितरण किसानो को किया जा चुका है।

खास खबर

महंगाई का एक और झटका: 50 रूपए महंगी हुई गस सिलेंडर

नई दिल्ली (एजेंसी)। महंगाई की मार से परेशान जनता को एक और झटका लगा है। गैस कंपनियों ने घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दाम में भारी बढ़ोतरी की है। अब 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के लिए आपको 50 रुपये ज्यादा का भुगतान करना होगा। दिल्ली में अब घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमत 1053 रुपये होगी। जबकि, पहले इसकी कीमत 1003 रुपये थी। नए दाम आज से प्रभावी हैं।

इसके अलावा पांच किलो वाले घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में भी बढ़ोतरी हुई है। अब पांच किलो वाले सिलेंडर की कीमत में 18 रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। हालांकि, 19 किलो वाले कमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में 8.50 रुपये की कमी आई है। आपको बता दें कि अभी कुछ दिनों पहले ही तेल वितरण कंपनियों की ओर से कमर्शियल सिलेंडरों की कीमतों में इजाफा किया गया था। अब बुधवार की सुबह को घरेलू सिलेंडरों की कीमतों में भी बढ़ोतरी कर दी गई है।

गौरतलब है कि पहली बार घरेलू सिलेंडर के दाम में बढ़ोतरी की गई है जबकि कमर्शियल सिलेंडर के दाम घटे हैं। बुधवार को कमर्शियल सिलेंडर की कीमत में 9 रुपये की कटौती की गई है। दिल्ली में एक 19 किलो के कमर्शियल सिलेंडर की कीमत अब 2,012 रुपये हो गई है। गैस सिलेंडरों की नई दिल्ली में 6 जुलाई 2022 से लागू हो चुकी हैं।

मोदी की योजनाओं के सहारे मिशन-2023 फतह करने की तैयारी में भाजपा

आसान नहीं है सीएम बघेल की काट

नई दिल्ली/रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव भले ही 2023 के नवंबर-दिसंबर में है, लेकिन राज्य में चुनावी सरगर्मियां तेज हो चली है। पिछले दो माह से सूबे के मुखिया भूपेश बघेल राज्य की 90 विधानसभा सीटों की दौरा कर वहां सियासी नब्ज टटोल रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ अब भाजपा भी बघेल को मात देने में जुट गई है। पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने प्रदेश भाजपा के नेताओं को विधानसभा और संसदीय क्षेत्र के कमजोर बूथ की पहचान करे उसे दुरुस्त करने की हिदायत दी है।

रिपोर्ट के मुताबिक छत्तीसगढ़ से भाजपा सांसद सुनील सोनी ने कहते हैं कि पार्टी हाईकमान के निर्देश पर संसदीय क्षेत्रों के कमजोर बूथों की पहचान कर उन्हें मजबूत करने की दिशा में काम कर रहे हैं। यह हमारी पार्टी की रूटीन प्रक्रिया है। भाजपा 24 घंटे 12 माह काम करने वाली पार्टी है। यहां इस तरह के कार्यक्रम हर दिन चलते रहते हैं। पिछले एक माह से मैं अपने क्षेत्र के कमजोर बूथों में जाकर कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर रहा हूं और स्थानीय लोगों से बात कर रहा हूं। इस दौरान लोगों को केंद्र मोदी सरकार की योजनाओं के बारे भी बताया जा रहा है। हाल ही में भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व और संघ के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने दिल्ली में छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ भाजपा नेताओं की बैठक ली थी। इसमें प्रदेश के संघ से जुड़े पदाधिकारी शामिल हुए थे। बैठक के बाद मीडिया से चर्चा में प्रदेश के पूर्व सीएम डॉ. रमन सिंह ने कहा था कि ऐसे राज्य जहां भाजपा की सरकार नहीं है या फिर वहां भाजपा की स्थिति ठीक नहीं है, उन राज्यों में बेहतर प्रदर्शन के लिए रणनीति बनाई गई है। भाजपा के सूत्रों ने कहा कि छत्तीसगढ़ में साल 2023 के नवंबर-दिसंबर में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। पिछले चुनावों के कड़वे अनुभवों को देखते हुए केंद्रीय नेतृत्व अभी से चुनावी मोड में आ गया है। पार्टी ने सभी सांसदों और विधायकों को कमजोर बूथ को मजबूत करने का निर्देश दिया है। इसकी रिपोर्ट हर माह प्रदेश भाजपा कार्यालय को दी जाएगी। इसके बाद प्रदेश अध्यक्ष इसकी समीक्षा करेंगे। इस रिपोर्ट को केंद्रीय नेतृत्व और संघ के नेताओं को भी सौंपी जाएगी।

राज्य की कई योजनाओं को केंद्र से मिल चुका है पुरस्कार

सूत्र ने कहा कि लगातार पंद्रह सालों तक सत्ता में रहने वाली पार्टी 2018 की हार को भुलाते हुए 2023 में सत्ता में वापसी करना चाहती है, जिसकी तैयारी अभी से शुरू हो चुकी है। पार्टी की यह कवायद उसे संगठनात्मक रूप से मजबूती देगी, जिसका लाभ आने वाले दिनों में मिल सकता है। कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि केंद्र सरकार की योजनाओं के सहारे राज्य की सत्ता में वापसी की कवायद पार्टी कर रही है। यह कार्यक्रम इसलिए भी तेजी से चलाया जा रहा है क्योंकि प्रदेश के सीएम बघेल इन दिनों 90 विधानसभा सीटों का दौर कर रहे हैं। वे लगातार कांग्रेस सरकार की योजनाओं को लोगों के बीच ले जा रहे हैं। कई अहम योजनाएं प्रदेशवासियों के बीच बेहद लोकप्रिय भी हैं। जबकि कुछ योजनाओं को केंद्र सरकार से पुरस्कार भी मिल चुका है। ऐसे में भाजपा के पास दोहरी चुनौती है। पहली की बघेल की बढ़ती लोकप्रियता को रोकना और दूसरा मोदी सरकार के काम और योजनाएं को आम लोगों तक पहुंचना, जिसका फायदा पार्टी को चुनाव में मिल सके। इन्हीं सभी को ध्यान में रखते हुए यह कार्यक्रम शुरू किए गए हैं।

कांग्रेस की तरफ से बघेल ने संभाल रखा है जिम्मा

भाजपा भले ही अभी से मिशन 2023 में जुट गई हो, मगर छत्तीसगढ़ में सत्ताधारी दल कांग्रेस इसे बेफिजूल मेहनत करार दे रही है। कांग्रेस से जुड़े सूत्रों का कहना है कि भाजपा अभी कितना भी दम लगा ले, कोई भी योजना बना ले, छत्तीसगढ़ की जनता कांग्रेस के साथ है। इस बार भी जनता उनका ही साथ देगी। कांग्रेस पार्टी की तरफसे पूरा मोर्चा सीएम बघेल ने संभाल रखा हैं। वे लगातार राज्य का दौरा कर रहे हैं और उनकी लोकप्रियता भी लगातार बढ़ती जा रही है।

बढ़ने लगा कोरोना का संक्रमण, 24 घंटे में 165 नए मरीज मिले, प्रदेश में एक हजार से ज्यादा एक्टिव केस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में हर दिन कोरोना के 100 से ज्यादा मरीज मिल रहे हैं। संक्रमितों की बढ़ती संख्या ने स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ा दी है। मंगलवार को प्रदेश में 165 नए मरीज मिले हैं। इसके साथ ही एक्टिव मरीजों की संख्या बढ़कर 1027 पहुंच गई है। सबसे ज्यादा 238 रायपुर व 146 एक्टिव केस दुर्ग जिले में हैं। राज्य शासन ने कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए एयरपोर्ट व राज्य की सीमाओं पर कोविड जांच अनिवार्य कर दिया है।

राज्य कंट्रोल एंड कमांड सेंटर के मुताबिक मंगलवार को 10 हजार 696 सैंपलों की जांच की गई, जिसमें 165 नए संक्रमित मिले हैं। रायपुर जिले में सबसे ज्यादा 35 मरीजों की पुष्टि हुई है। पिछले 24 घंटे में 172 लोगों ने होम आइसोलेशन पूरा किया। वहीं 6 लोग हॉस्पिटल से डिस्चार्ज हुए हैं। प्रदेश के 3 जिलों गरियाबंद, सुकमा और नारायणपुर में एक भी कोविड मरीज नहीं है। प्रदेश में पॉजिटिविटी दर 1.54% है। छत्तीसगढ़ में कोरोना से अब तक 14 हजार 38 लोगों की जान जा चुकी है। वहीं अब तक 11 लाख 55 हजार 24 लोग संक्रमित हो चुके हैं।

प्रदेश के इन जिलों में मिले कोरोना के मरीज

24 घंटे में प्रदेश के 20 जिलों में कोरोना के 165 मरीज मिले हैं। रायपुर जिले में 35, दुर्ग में 30, राजनांदगांव में 20, बिलासपुर में 17, बलौदाबाजार में 11, बेमेतरा में 8, सरगुजा में 6, मुंगेली व कबीरधाम में 5-5, कोरबा व जांजगीर-चांपा में 4-4, बस्तर, धमतरी, बलरामपुर एवं जशपुर में 3-3, कांकेर, रायगढ़ व सूरजुपर में 2-2, महासमुंद व कोरिया जिले में 1-1 मरीज मिले हैं। राज्य नोडल अधिकारी डॉ. सुभाष मिश्रा ने कहा कि कोरोना संक्रमण से बचने सावधानी जरूरी है। कोविड गाइडलाइंस का पालन करें। मास्क का उपयोग करें। लक्षण होने पर टेस्ट जरूर करा लें।

देश में कोविड केस और संक्रमण दर में बढ़ोतरी, महामारी से 28 लोगों की गई जान

देश में कोरोना के मामलों में घट-बढ़ का सिलसिला जारी है। मंगलवार की तुलना में बुधवार को फिर नए मरीजों और संक्रमण दर में बढ़ोतरी दर्ज की गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा बुधवार सुबह 8 बजे अपडेट आंकड़ों के अनुसार बीते 24 घंटे में 16,159 नए संक्रमित मिले, वहीं 28 लोगों की मौत हो गई। दैनिक संक्रमण दर 3.56 फीसदी पर पहुंच गई। सक्रिय केस बढ़कर 1,15,212 हो गए। मंगलवार को देश में 13,085 नए संक्रमित मिले थे, जबकि सोमवार को 16,135, रविवार को 16,103 और शनिवार को 17,092 और शुक्रवार को 17,070 संक्रमित मिले थे। इससे स्पष्ट होता है कि नए कोरोना मामले रोज कम ज्यादा हो रहे हैं।

इंडियन रेलवे में 10 माह की बच्ची को मिली नौकरी
रायपुर रेल मंडल में पहली बार हुआ माइनर रजिस्ट्रेशन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे (एसईसीआर) के रायपुर रेल मंडल में 10 माह की बच्ची की नौकरी मिल गई है। रेलवे ने बच्ची का रजिस्ट्रेशन भी कर लिया है। दरअसल, बच्ची के पिता की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई है। उनकी जगह बच्ची को अनुकंपा नियुक्ति दी जाएगी। सोमवार को रेलवे प्रशासन ने माइनर रजिस्ट्रेशन कराया। रायपुर रेल मंडल में यह पहला अवसर है, जब इतनी छोटी बच्ची का अनुकंपा नियुक्ति देने माइनर रजिस्ट्रेशन किया गया हो। इस मौके पर बच्ची के दादा-दादी, मौसी, चाचा भी मौजद रहे। उन्हें बताया गया कि बच्ची को किस तरह नौकरी मिलेगी और अब से वह काम करेगी।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी उदय कुमार भारती ने बताया कि छोटी बच्ची के अंगूठे का निशान लेकर प्रक्रिया पूरी कराई गई है। बच्चे के पिता राजेंद्र कुमार पीपी यार्ड भिलाई में सहायक पद पर कार्यरत थे। 1 जून को रायपुर जिले के मंदिर हसौद के नजदीक एक भीषण सड़क दुर्घटना में बच्ची के माता-पिता की मौत हो गई। दुर्घटना के समय बच्ची भी अपने माता-पिता के साथ बाइक पर मौजूद थीं, लेकिन ईश्वर की कृपा से वह सुरक्षित है। रायपुर रेल मंडल द्वारा विभाग के मृत कर्मचारी के परिजनों को नियमानुसार सभी सहायता और फंड दिए गए हैं। वहीं नौकरी के लिए पहल की गई है।

बालिग होने पर मिलेगी रेलवे में नौकरी

उदय कुमार भारती ने बताया कि अनुकंपा नियुक्ति रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया को पूरा कराने राजेंद्र के घर अधिकारियों एवं कल्याण निरीक्षक फरीद निसार अहमद गए थे। राजेंद्र के परिजनों ने कार्मिक अधिकारी से व्यक्तिगत रूप से कार्यालय में मिलने का आग्रह किया। रेलवे अफसर ने भी मानवीय पहल दिखाते हुए परिजनों को बुलाया। बच्ची के दादा-दादी, मौसी, चाचा रायपुर रेल मंडल कार्यालय आए थे। बच्ची का रजिस्ट्रेशन किया गया है और जब वह बालिग हो जाएगी, तब उसकी योग्यता के अनुसार उसे रेलवे में नौकरी दी जाएगी। इस तरह 10 माह की बच्ची की इंडियन रेलवे में नौकरी पक्की हो गई है।

मैं नौकर हूं तो क्या? कुछ भी बोल दोगे

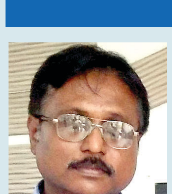

दीपक रंजन दास

छत्तीसगढ़ के पूर्व गृह मंत्री ननकी राम कंवर अपने तीखे तेवरों के कारण जाने जाते हैं। कोरबा जिला में उनका एकाएक दादरभांठा जनपद पंचायत की महिलाओं से आमना-सामना हो गया। महिलाएं कलेक्टर के पास सड़क की शिकायत को लेकर पहुंची थीं। विधायक पर नजर पड़ते ही महिलाओं ने उन्हें घेर लिया। बातचीत का स्टैंडर्ड फार्मेट शुरू हो गया। महिलाओं ने कहा कि सड़क पर कीचड़ ही कीचड़ है, सीसी रोड बनवा दीजिए। विधायक कंवर ने कहा बजट आते ही काम हो जाएगा। वे बैठक में भी इस बात को रखेंगे। इसपर महिलाओं ने ताना दिया कि वोट मांगने के लिए तो आ जाते हैं, काम के समय बहाने बनाते हैं। इसपर कंवर भड़क गए। उन्होंने कहा- 'आपने वोट दिया है, मैं आपका नौकर हूँ। पर इसका मतलब यह नहीं है कि आप कुछ भी कह दोगे।' विधायक ने सही कहा। वैसे भी महिलाओं को विपक्षी दल के विधायक से कोई खास उम्मीद भी नहीं थी। वे तो सीधे कलेक्टर से मिलने आई थीं। विधायक जी तो यूं ही टकरा गये थे। दरअसल मामला आत्मसम्मान से जुड़ा हुआ है। नौकर सिर्फ अपनी सेवाएं बेचता है, अपना आत्मसम्मान गिरवी नहीं रखता। नौकर और गुलाम में फर्क होता है। गुलाम से आप कुछ भी कह सकते हो, कुछ भी करवा सकते हो। उसका अपना कोई वजूद नहीं होता। इस बात से अगर सहमत न हो तो अपने घर की कामवाली से आएं-बाएं बक कर देखना। तत्काल काम न छोड़ दे तो कहना। साथ ही पूरे मोहल्ले में आपको बदनाम भी करके रख देगी। दूसरी कामवाली बाई भी नहीं मिलेगी। उसे अपने सम्मान की परवाह है और अपनी ताकत का अंदाजा भी। कामवाली ने काम छोड़ा तो अपनी डाक्टरी-कलेक्टरी छोड़कर आपको झाड़ू-पोंछा-बर्तन खुद करना पड़ेगा। मरे हुए तो वो होते हैं जो अपनी डिग्री की बदौलत निजी क्षेत्र में व्हाइट कॉलर जॉब करते हैं। अपनी नौकरी बचाने के लिए वो कुछ भी सुनने को तैयार रहते हैं। आप उन्हें गालियां दे सकते हैं। उन्हें उन बातों के लिए भी फटकार सकते हैं, जिसके लिए वो जिम्मेदार नहीं हैं। वो सब कुछ सुन लेगा। माफी भी मांग लेगा। नौकरी उसके लिए सिर्फ वेतन नहीं, बल्कि उसकी पहचान भी है, जिसे वह किसी भी कीमत पर गंवाना अफोर्ड नहीं कर सकता। पर सरकारी नौकर और नेता पर ये बातें लागू नहीं होतीं। वे भले ही कहलाते जनता के सेवक हों पर असल में वे सरकार के नौकर होते हैं। आपको जितना कोसना है, सरकार को कोस लें पर सरकार के नौकरों को कोसने का आपको कोई हक नहीं है। बल्कि उनके काम में अड़ंगा डालने पर आपको सीधे गिरफ्तार किया जा सकता है, सजा हो सकती है। नौकर-नौकर का फर्क है साहब।

कोयला खदान में हादसा, ट्रक पर गिरा कंटेनर, एक कर्मचारी की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा जिले में मंगलवार को एक भूमिगत कोयला खदान में खड़े ट्रक पर ओवरहेड कोयला संग्रह कंटेनर के गिरने से साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) के एक कर्मचारी की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान राधेश्याम (54) के रूप में हुई है, जो ट्रक की ड्राइविंग सीट पर बैठा था। कोयला संग्रह कंटेनर के गिरने पर ट्रक पूरी तरह से कुचल गया। एसईसीएल के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना सेंट्रल पीएसयू कोल इंडिया की अनुषंगी एसईसीएल की राजगामार खदान में दोपहर के करीब उस समय हुई जब एक बंकर से ट्रक में कोयला लोड किया जा रहा था।

कोयले को एक ऊपरी बंकर या कंटेनर, जो कि एक फनल के आकार की बड़ी लोहे की संरचना होती है, उसमें इकट्ठा किया जाता है, इसे कन्वेयर बेल्ट के माध्यम से बाहर निकाला जाता है। उन्होंने बताया कि कोयले को ले जाने के लिए बंकर के नीचे खड़े ट्रकों में उसे लादा जाता है। मंगलवार को भी घटना के समय हमेशा की तरह ट्रक में कोयला लादा जा रहा था। इस दौरान अचानक बंकर गिर गया और ट्रक के सामने वाले हिस्से पर जा गिरा। इससे राधेश्याम बंकर और उसके मलबे में दब गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

संपादकीय

आमने-सामने पुलिस

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद और नोएडा के बीच जैसा नाटक खेला गया, वह पुलिस के राजनीतिक इस्तेमाल की एक नई कहानी कहता है। मंगलवार की सुबह खबर आई कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बारे में गलत वीडियो चलाने के मामले में छत्तीसगढ़ की पुलिस जी न्यूज के एंकर रोहित रंजन के घर पहुंच गई है। बाद में पता चला कि वहां गाजियाबाद पुलिस भी पहुंच गई है और दोनों पुलिस बलों में बहस हो गई। थोड़ी ही देर में नोएडा पुलिस वहां पहुंची और रोहित रंजन को हिरासत में लेकर चली गई। नोएडा पुलिस ने भी रंजन को उसी मामले में हिरासत में लिया है, जिस मामले में उन्हें गिरफ्तार करने छत्तीसगढ़ की पुलिस आई थी। बेशक जिस मामले को लेकर यह सब हुआ, वह कई तरह से गंभीर है। इसमें राहुल गांधी के एक वीडियो को गलत संदर्भ में उनके खिलाफ इस्तेमाल किया गया। मुमकिन है कि सोशल मीडिया पर मिले वीडियो को बिना किसी जांच-परख के प्रसारित कर दिया गया हो। हालांकि, इसके लिए चैनल ने माफी भी मांग ली है। फिर भी क्या ऐसी कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए? क्या यह ऐसा मामला है, जिसमें एंकर को सीधे गिरफ्तार कर लिया जाए, वह भी बिना यह जांच किए कि गलती किस स्तर पर किसकी थी?

> “ पिछले दिनों पंजाब पुलिस दिल्ली के एक भाजपा नेता को बिना स्थानीय पुलिस को जानकारी दिए छापामार शैली में गिरफ्तार करके ले गई, तो रास्ते में हरियाणा पुलिस ने उसे छुड़ाकर दिल्ली पहुंचा दिया। ऐसी ही एक भिड़ंत हम कुछ समय पहले बिहार और महाराष्ट्र की पुलिस में भी देख चुके हैं। यह राजनीतिक दुरुपयोग पुलिस सुधार से ही रोका जा सकता है, लेकिन क्या कोई राजनीतिक दल इस सुधार की बात करेगा? पुलिस की जवाबदेही कायदे-कानून के प्रति होनी चाहिए, सत्तारूढ़ दलों के प्रति नहीं।

सुप्रीम कोर्ट यह कह चुका है कि जमानत किसी भी नागरिक का अधिकार है और गिरफ्तारी अपवाद स्वरूप ही होनी चाहिए। लेकिन हमारा पुलिस बल किसी भी मामले को अपवाद बना देने में महारत हासिल कर चुका है। ऐसे पत्रकार और न्यूज एंकर निशाने पर आ चुके हैं, जिनके फरार होने की बात सोची भी नहीं जा सकती। कुछ दिन पहले जब दिल्ली पुलिस ने अल्ट न्यूज के सह संस्थापक मुहम्मद जुबैर को उनके चार साल पुराने एक ट्वीट पर गिरफ्तार किया गया, तो विरोध करने वालों ने उनकी गिरफ्तारी पर सवाल नहीं उठाए, बल्कि यह कहा कि फलां को तो गिरफ्तार नहीं किया था, तो इन्हें क्यों किया? गिरफ्तारी कानूनी प्रक्रिया का हिस्सा है, जिसे कुछ खास स्थितियों में ही आजमाना चाहिए, पर अब उसका इस्तेमाल सबक सिखाने के लिए होने लगा है। ऐसी गिरफ्तारियां प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से राजनीति से ही जुड़ी होती हैं। पुलिस का इस्तेमाल अब अपराध नियंत्रण के अलावा राजनीतिक उल्लू सीधा करने के लिए होने लगा है, जिसके लिए राज्यों की पुलिस अब देश भर में कहीं भी किसी की गिरफ्तारी करने पहुंच जाती है। इसके लिए नियम-कायदों व परंपराओं को भी ताक पर रखा जाने लगा है। रोहित रंजन ने जब अपने ट्वीट में इस सवाल को उठाया कि छत्तीसगढ़ की पुलिस स्थानीय पुलिस को बिना जानकारी दिए उसे गिरफ्तार करने पहुंची है, तो इस पर छत्तीसगढ़ की पुलिस का जवाब था कि ऐसा कोई नियम नहीं है। इसके लिए राज्यों की पुलिस में आपस में उलझने लगी हैं। खासकर उन राज्यों की पुलिस, जहां एक-दूसरे के विरोधी दलों की सरकारें हैं। पिछले दिनों पंजाब पुलिस दिल्ली के एक भाजपा नेता को बिना स्थानीय पुलिस को जानकारी दिए छापामार शैली में गिरफ्तार करके ले गई, तो रास्ते में हरियाणा पुलिस ने उसे छुड़ाकर दिल्ली पहुंचा दिया। ऐसी ही एक भिड़ंत हम कुछ समय पहले बिहार और महाराष्ट्र की पुलिस में भी देख चुके हैं। यह राजनीतिक दुरुपयोग पुलिस सुधार से ही रोका जा सकता है, लेकिन क्या कोई राजनीतिक दल इस सुधार की बात करेगा? पुलिस की जवाबदेही कायदे-कानून के प्रति होनी चाहिए, सत्तारूढ़ दलों के प्रति नहीं।

डॉलर या युआनः कौन बड़ा ठग

दुनिया के सात समृद्ध देशों के संगठन जी-7 के शिखर सम्मेलन में भारत को भी आमंत्रित किया गया था, हालांकि भारत इसका बाकायदा सदस्य नहीं है। इसका अर्थ यही है कि भारत इन्हीं समृद्ध राष्ट्रों की श्रेणी में पहुंचने की पर्याप्त संभावना रखता है। जर्मनी में संपन्न हुए इस सम्मेलन में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाग लेकर सभी नेताओं से गर्मजोशी से मुलाकात की, भारत की उपलब्धियों का जिक्र किया और इस संगठन के सामने कुछ नए लक्ष्य भी रखे।

मोदी ने यह तथ्य भी बेझिझक प्रकट कर दिया कि भारत की आबादी दुनिया की 17 प्रतिशत है लेकिन वह प्रदूषण सिर्फ 5 प्रतिशत ही कर रहा है। दूसरे शब्दों में उन्होंने समृद्ध राष्ट्रों को अपने प्रदूषण को नियंत्रित करने का भी संकते दे दिया। इसके अलावा उन्होंने समृद्ध राष्ट्रों से अपील की कि वे विकासमान राष्ट्रों की भरपूर मदद करें। संसार के देशों में बढ़ती जा रही विषमता को वे दूर करें। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन तथा अन्य नेताओं ने इस अवसर पर घोषणा की कि वे अगले पांच वर्षों में 600 बिलियन डॉलर का विनियोग दुनिया भर में करेंगे ताकि सभी देशों में निर्माण-कार्य हो सकें और आम आदमियों का जीवन-स्तर सुधर सके।

जाहिर है कि इतने बड़े वित्तीय निवेश की कल्पना इन समृद्ध देशों में चीन के कारण ही जन्मी है। चीन ने 2013 में 'बेल्ट एंड रोड एनीशिएटिव' (बीआरडी) शुरु करके दुनिया के लगभग 40 देशों को अपने कर्ज से लाद दिया है। श्रीलंका और पाकिस्तान तो उसके शिकार हो ही चुके हैं। भारत के लगभग सभी पड़ौसी देशों की संप्रभुता को गिरवी रखने में चीन ने कोई संकोच नहीं किया है लेकिन जो बाइडन ने चीनी योजना का नाम लिये बिना कहा है कि जी-7 की यह योजना न तो कोई धर्मादा है और न ही यह राष्ट्रों की मदद के नाम पर बिछाया गया कोई जाल है। यह शुद्ध विनियोग है। इससे संबंधित राष्ट्रों को तो प्रचुर लाभ होगा ही, अमेरिका भी फायदे में रहेगा। यह विकासमान राष्ट्रों को सड़कें, पुल, बंदरगाह आदि बनाने के लिए पैसा मुहय्या करवाएगा। इस योजना के क्रियान्वित होने पर लोगों को सीधा फायदा मिलेगा, उनकी गरीबी दूर होगी, उनका रोजगार बढ़ेगा और लोकतंत्र के प्रति उनकी आस्था मजबूत होगी। संबंधित देशों के बीच आपसी व्यापार और आर्थिक सहयोग को बढ़ाने में भी इस योजना का उल्लेखनीय योगदान होगा। यह भी संभव है कि इस योजना में जुटनेवाले देशों के बीच मुक्त-व्यापार समझौते होने लगें। यदि ऐसा हुआ तो न सिर्फ विश्व-व्यापार बढ़ेगा बल्कि संबंधित देशों में आम लोगों को चीजें सस्ते में उपलब्ध होने लगेंगी। उनकी जीवन-स्तर भी सुधरेगा। बाइडन और अन्य जी-7 नेताओं का यह सोच सराहनीय है लेकिन लंबे समय से डॉलर के बारे में कहा जाता है कि यह जहां भी जाता है, वहां से कई गुना बढ़कर ही लौटता है। देखें चीनी युआन के मुकाबले यह कितनी कम ठगाई करता है

वेद प्रताप वैदिक

> “ पूर्व वित्त मंत्री अरुण जेटली ने जीएसटी के दो वर्ष पूरे होने पर अपने ब्लॉग में कहा था, ...जीएसटी उपभोक्ता और कर निर्धारिती, दोनों, के लिए अनुकूल साबित हुआ है। करदाताओं द्वारा दिखाई गई सकारात्मकता और निर्धारिती द्वारा तकनीक को अपनाए जाने की वजह से जीएसटी ने वास्तव में भारत को एक एकल बाजार में रूपांतरित कर दिया है।

जीएसटीः पांच साल में बेमिसाल

श्रीमती निर्मला सीतारमण

आज हमारे देश में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) को लागू किए जाने के 5 साल पूरे हो गए हैं। इस पर पहली बार चर्चा वर्ष 2003 में अप्रत्यक्ष करों पर केलकर कार्यदल की रिपोर्ट में की गई थी और इस तरह से जीएसटी को मूर्त रूप देने में 13 साल का लंबा समय लग गया। वर्ष 2017 से ही जीएसटी को स्वाभाविक रूप से शुरुआती समस्याओं का सामना करना पड़ा है। लेकिन शुरुआती समस्याओं से भी कहीं अधिक महत ?वपूर्ण बात यह है कि कोविड-19 वैश्विक महामारी द्वारा ढाए गए व ?यापक कहर और इसके बेहद प्रतिकूल प्रभावों का सामना करने के बाद यह काफी मजबूती के साथ उभर कर सामने आया है। इसका श्रेय जीएसटी परिषद को जाता है क ?योंकि उसके जरिए ही केंद्र और राज्यों ने न केवल संकट का सामना करने के लिए, बल्कि हमारी अर्थव्यवस्था को फि ?र से तेज विकास के रास ?ते पर ले जाने के लिए एक-दूसरे का हाथ बड़ी मजबूती के साथ थाम लिया। यह एक साथ मिलकर काम करने का ही सुखद नतीजा है कि भारत इस वर्ष के साथ-साथ अगले साल के लिए भी सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में उभर कर सामने आया है, जैसा कि कई दिग ?गज संस ?थानों द्वारा अनुमान लगाया गया है।

वर्ष 2017 में भारत में लागू होने से बहुत पहले ही कई देशों ने जीएसटी व्यवस्था को अपने यहां बाकायदा अपना लिया था। लेकिन भारत में जीएसटी परिषद का स ?वरूप अपने आप में अद्वितीय है। भारतीय राजनीति के अर्ध-संघीय स ?वरूप, जिसमें केंद्र और राज्यों दोनों को ही कराधान का स्वतंत्र अधिकार प्राप्त था, को देखते हुए इसके लिए एक अद्वितीय समाधान की नितांत जरूरत थी। विभिन्न आकार वाले राज्यों और विरासत में मिली अपनी कर प्रणाली के साथ विकास के विभिन्न चरणों से गुजर रहे राज ?यों को जीएसटी के तहत एक साथ लाया जाना था। यही नहीं, राजस्व संग्रह के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करने के मामले में भी राज्य विभिन्न चरणों से गुजर रहे थे। इस तरह के हालात में एक संवैधानिक निकाय 'जीएसटी परिषद' और भारत के लिए अद्वितीय जीएसटी समाधान (दोहरा जीएसटी) की नितांत आवश ?यकता महसूस की गई। कुछ अपवादों को छोड़ केंद्र और राज्यों दोनों के ही करों को जीएसटी में समाहित कर दिया गया। 17 अलग-अलग कानूनों का विलय कर दिया गया और जीएसटी के माध्यम से 'एकल कराधान' अमल में लाया गया।

भारत में जीएसटी परिषद ने जीएसटी के प्रमुख मुद्दों यथा दरों, छूट, व्यावसायिक प्रक्रियाओं और आईटीसी के संचालन इत ?यादि पर राष्ट्रीय सहमति बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

जुलाई 2017 में 63.9 लाख से भी अधिक करदाताओं ने जीएसटी को अपना लिया था। करदाताओं की यह संख्या जून 2022 तक दोगुनी से भी अधिक बढ़कर 1.38 करोड़ से ज ?यादा हो गई है। 41.53 लाख से भी अधिक करदाता और 67 हजार ट्रांसपोर्टर ई-वे पोर्टल पर पंजीकृत हो गए हैं, जो प्रति माह औसतन 7.81 करोड़ ई-वे बिल सृजित करते हैं। इस सिस्टम को लॉन्च किए जाने के बाद से लेकर अब तक कुल 292 करोड़ ई-वे बिल सृजित हुए हैं, जिनमें से 42 प्रतिशत ई-वे बिल विभि ?न वस ?तुओं की अंतर-राज्य ढुलाई से जुड़े हुए हैं। इस साल 31 मई को एक दिन में सबसे ज्यादा 31,56,013 ई-वे बिल सृजित किए गए थे।

औसत मासिक संग्रह 2020-21 के 1.04 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2021-22 में 1.24 लाख करोड़ रुपये हो गया है। इस साल के पहले 2 महीनों में औसत संग्रह 1.55 लाख करोड़ रुपये रहा। यह उम्मीद उचित है कि यह निरंतर वृद्धि का रुझान जारी रहेगा।

जीएसटी ने सीएसटी/वैट व्यवस्था के तहत भारतीय राज्यों के बीच मौजूद कर मध्यस्थता को समाप्त कर दिया है। एक हस्तक्षेप करने वाली नियंत्रण प्रणाली, जिसमें सीमा चौकियों को शामिल करना और माल से लदे ट्रकों का भौतिक सत्यापन शामिल था, से बाधाएं पैदा होती थीं, जिसके परिणामस्वरूप समय और ईंधन की हानि होती थी। परिणामस्वरूप कार्गो की आवाजाही के लिए लॉजिस्टिक, देश के भीतर भी, आवश्यक पैमाना और दक्षता हासिल नहीं कर पाया। माल की लागत में लॉजिस्टिक की लागत 15 प्रतिशत तक होने का अनुमान लगाया गया था। आईजीएसटी के तहत और ई-वे बिल के साथ ऐसी कोई मध्यस्थता नहीं होने से, लॉजिस्टिक आपूर्ति श्रृंखला की क्षमता कई गुना बढ़ गई है। विभिन्न साधनों वाली परिवहन व्यवस्था पर हमारे विशेष ध्यान और अब पीएम गति शक्ति के कारण इन लाभों का बढ़ना निश्चित है।

जीएसटी-पूर्व की व्यवस्था में, अधिकांश वस्तुओं पर, केंद्र और राज्यों की संयुक्त दरें 31 प्रतिशत से अधिक थीं। हालांकि, जीएसटी के तहत 400 से अधिक वस्तुओं और 80 सेवाओं की दरों में कमी हुई है। उच्चतम 28 प्रतिशत दर भोग और विलासिता की वस्तुओं तक ही सीमित है। 28 प्रतिशत की श्रेणी में कुल 230 वस्तुएं थीं, इनमें से करीब 200 वस्तुओं को कम दरों वाली श्रेणियों में स्थानांतरित कर दिया गया है।

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की जरूरतों पर विशेष ध्यान दिया गया है। उद्देश्य यह है कि उनके कर और अनुपालन का बोझ कम रखा जाए। समान रूप से, यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण भी था कि वे आईटीसी के उद्देश्य के लिए आपूर्ति श्रृंखला के साथ एकीकृत रहें। इस संदर्भ में, दो महत्वपूर्ण कदम उठाए गए थेः वस्तुओं के लिए छूट सीमा को 20 लाख रुपये से बढ़ाकर 40 लाख रुपये और तिमाही रिटर्न तथा मासिक भुगतान (क्यूआरएमपी) योजना की शुरुआत, जिसमें 89 प्रतिशत करदाताओं को फायदा पहुंचाने की क्षमता थी।

शुरुआत के बाद से, जीएसटी का शासन आईटी आधारित और पूरी तरह से स्वचालित बना हुआ है। प्लेटफार्म के परिचालन के लिए पेशेवर रूप से प्रबंधित प्रौद्योगिकी कंपनी; जीएसटीएन का निर्माण सही दिशा में उठाया गया कदम था। हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर क्षमताओं की निरंतर समीक्षा और उन्नयन ने प्रणाली को कार्यकुशल रखने में मदद की है।

सीमा शुल्क द्वारा स्वचालित आईजीएसटी रिफंड की प्रणाली और जीएसटी अधिकारियों द्वारा निर्यातकों को संचित इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) की वापसी ने निर्यात वस्तुओं और सेवाओं पर इनपुट करों को निर्बाध व समस्या मुक्त बना दिया है।

उल्लेखनीय है कि जीएसटी मामलों से संबंधित अधिकांश मुकदमे आईटीसी तथा जीएसटी अधिकारियों को सम्मन जारी करने, व्यक्तियों की गिरफ्तारी, वसूली के लिए संपत्ति की कुर्की आदि जैसे प्रवर्तन के विभिन्न पहलुओं से संबंध में प्राप्त शक्ति के मुद्दों से जुड़े हुए हैं। यहां तक कि मोहित मिनरल्स बनाम भारत संघ मामले में माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए बहुचर्चित निर्णय में, न्यायालय ने जीएसटी की मूलभूत विशेषताओं को खारिज या परिवर्तित नहीं किया है।

24 वर्षों तक पश्चिम बंगाल के वित्त मंत्री रहे असीम दासगुप्ता 2000-2010 के दौरान राज्यों के वित्त मंत्रियों के उच्चाधिकार प्राप्त समूह के अध्यक्ष थे। जीएसटी कानूनों का पहला सूत्रीकरण 2009 में किया गया था। 2 जुलाई 2017 को व्यापारिक मामलों से जुड़े एक समाचार पत्र को दिए गए एक साक्षात्कार में जीएसटी की महत्वपूर्ण विशेषताओं, जोकि आज भी बरकरार हैं, पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा थाः राज्यों को कभी भी सेवा कर लगाने की शक्ति प्राप्त नहीं थी। राज्य शुरू से ही महज [संग्रह किए गए] सेवा कर का एक हिस्से के बजाय इस कर को लगाने की शक्ति की मांग करते रहे हैं। जीएसटी के जरिए इस संबंध में प्रावधान कर दिया गया है।

उन्होंने कहा, उच्चाधिकार प्राप्त समिति राज्यों की स्वायत्तता के मामले में दृढ़ रवैया अपनाती रही है। प्रसंगवश जीएसटी परिषद, केन्द्रीय जीएसटी के मामले में संसद के लिए और राज्य जीएसटी के मामले में विधानसभाओं के लिए एक सिफारिशी निकाय है। तकनीकी रूप से, विधायिका इसे स्वीकार कर भी सकती है और नहीं भी। इस प्रकार, विधायिका की यह शक्ति नहीं छीनी गई है।

महत्वपूर्ण बात यह है कि दासगुप्ता ने कहा, जहां तक दरों का सवाल है, राज्य और केन्द्र मिलकर दोनों के लिए एक तरह का एकल कर स्वीकार कर रहे हैं। इसलिए, यह एक तरह से सहकारी संघवाद के हित में राज्यों और केन्द्र द्वारा किया गया एक आंशिक बलिदान है। जीएसटी, सेवा कर के मामले में राज्य को अतिरिक्त अधिकार दे रहा है। राज्य घरेलू उत्पाद में आधा हिस्सा सेवाओं का होता है। पूर्व वित्त मंत्री अरुण जेटली ने जीएसटी के दो वर्ष पूरे होने पर अपने ब्लॉग में कहा था, ...जीएसटी उपभोक्ता और कर निर्धारिती, दोनों, के लिए अनुकूल साबित हुआ है। करदाताओं द्वारा दिखाई गई सकारात्मकता और निर्धारिती द्वारा तकनीक को अपनाए जाने की वजह से जीएसटी ने वास्तव में भारत को एक एकल बाजार में रूपांतरित कर दिया है।

भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत आधार देते गांव

जयंतीलाल भंडारी, अर्थशास्त्री

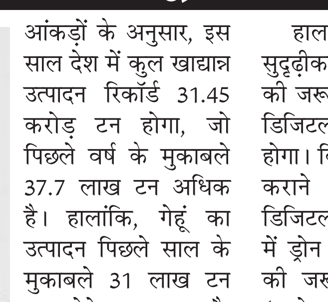

देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में इस समय सुधार का परिदृश्य दिखाई दे रहा है। इस परिदृश्य के छह महत्वपूर्ण आधार हैं। एक, साल 2021-22 के सकल घरेलू उत्पाद, यानी जीडीपी के नए आंकड़ों के अनुसार कृषि क्षेत्र की मजबूत वृद्धि दर। दो, जन-धन योजना के जरिये छोटे किसानों व ग्रामीण गरीबों का सशक्तीकरण। तीन, कृषि क्षेत्र में ज्यादा उत्पादन और बेहतर मूल्य। चार, कृषि संबंधी नवाचारों व शोध से कृषि उन्नयन। पांच, ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिए नई स्वामित्व योजना का विस्तार और छह, अच्छे मानसून का आगमन। अच्छे मानसून और खरीफ सत्र में अच्छी फसल की संभावना से ग्रामीण भारत का आशावाद ऊंचाई पर है और इसके रोजगार सूचकांक तेजी से रोजगार बढ़ने का ग्राफ प्रस्तुत कर रहे हैं।

वास्तव में, कोविड-19 की चुनौतियों के बीच पिछले तीन वर्षों में कृषि ही एकमात्र ऐसा क्षेत्र रहा है, जिसकी विकास दर नहीं घटी। वित्त वर्ष 2021-22 में कृषि क्षेत्र की वृद्धि दर तीन फीसदी रही है। इसमें रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन के साथ-साथ बागवानी, फूलों की खेती व पशुपालन जैसे क्षेत्रों का भी बड़ा योगदान है। चालू वित्त वर्ष 2022-23 में भी देश की जीडीपी में कृषि क्षेत्र का योगदान और अधिक बढ़ सकता है। इसमें कोई दो मत नहीं कि केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा ग्रामीण विकास, कृषि क्षेत्र और किसानों को सक्षम बनाने के लिए जो कदम उठाए जा रहे हैं, उनसे ग्रामीणों की आमदनी बढ़ने के साथ-साथ खाद्यान्न उत्पादन बढ़ने का ग्राफ ऊपर चढ़ता दिखाई दे रहा है। इसी 31 मई को गरीब कल्याण सम्मेलन कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश के 10 करोड़ से अधिक लाभार्थी किसान परिवारों के खातों में 21,000 करोड़ रुपये से अधिक की सम्मान निधि हस्तांतरित की गई। इस किस्त के साथ केंद्र अब तक किसानों के खातों में दो लाख करोड़ रुपये से अधिक की रकम ट्रांसफर कर चुका है।

ग्रामीण विकास और कृषि क्षेत्र में बढ़ते उत्पादन से देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सहारा मिल रहा है। हाल ही में पेश फसल वर्ष 2021-22 के तीसरे अग्रिम अनुमान के आंकड़ों के अनुसार, इस साल देश में कुल खाद्यान्न उत्पादन रिकॉर्ड 31.45 करोड़ टन होगा, जो पिछले वर्ष के मुकाबले 37.7 लाख टन अधिक है। हालांकि, गेहूं का उत्पादन पिछले साल के मुकाबले 31 लाख टन कम होने का अनुमान है, लेकिन चावल, मोटे अनाज, दलहन और तिलहन का रिकॉर्ड उत्पादन दिख रहा है। देश से खाद्यान्न का निर्यात लगातार बढ़ रहा है और यह विदेशी मुद्रा की कमाई का एक महत्वपूर्ण स्रोत बन गया है। जहां दुनिया में भारत चावल का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक और पहले क्रम का निर्यातक देश है, वहीं गेहूं का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक व छठा बड़ा निर्यातक देश है। वित्त वर्ष 2021-22 में भारत ने करीब 2.1 करोड़ टन चावल और लगभग 70 लाख टन से अधिक गेहूं का निर्यात किया है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए स्वामित्व योजना अब एक नई आर्थिक शक्ति के रूप में दिखाई दे रही है।

हालांकि, ग्रामीण अर्थव्यवस्था के सुदृढ़ीकरण को अभी और कारगर प्रयासों की जरूरत है। सबसे पहले तो कृषि क्षेत्र में डिजिटलीकरण को तेजी से बढ़ावा देना होगा। किसानों को बेहतर तकनीक उपलब्ध कराने के साथ ही भूमि रिकॉर्ड के डिजिटलीकरण व कीटनाशकों के छिड़काव में ड्रोन तकनीक का अधिक उपयोग करने की जरूरत है। कृषि क्षेत्र से जुड़ी लैब (प्रयोगशाला) के सफल नतीजों को लैंड (जमीन) पर उतारने वाली 'लैब टु लैंड स्कीम' को व्यापक रूप से सफल बनाना होगा। इसके साथ ही खेती-किसानी में स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए नाबार्ड की योजनाओं को कामयाब बनाने की जरूरत है। प्राकृतिक खेती को बढ़ाने के लिए हमें सीड टेक्नोलॉजी को तेजी से अपनाना होगा।

केंद्र सरकार ने चालू वित्त वर्ष में ग्रामीण विकास और कृषि क्षेत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जो योजनाएं घोषित की हैं, उम्मीद है कि उनके क्रियान्वयन में वह तेजी दिखाएगी। इससे न सिर्फ ग्रामीण विकास, बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने वाला नया अध्याय लिखा जा सकेगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

नहीं मचलता दिल
मेरा दुनिया के
बाजार में, सस्ता
हो या महंगा फर्क
नहीं पड़ता, त्यागने
के बाद में।

-अंजली जैन
7024460938

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे
9827806026, 7869620239

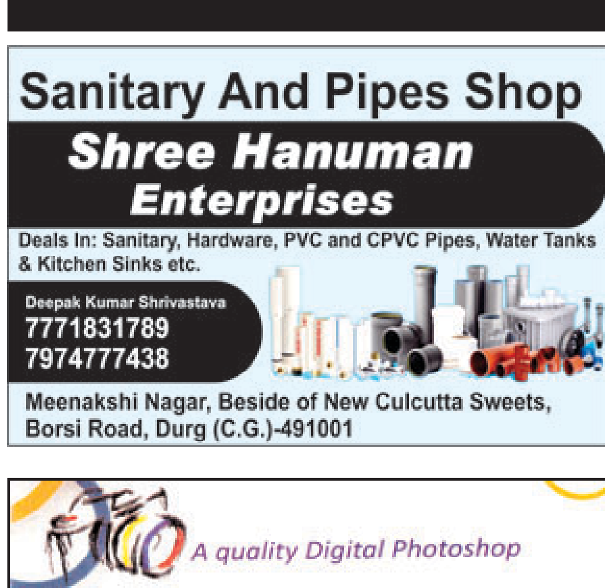

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध जिला : पर्यटन की संभावना अधिक

नरवा संवर्धन हमारी पहली प्राथमिकता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध जिलाः पर्यटन की संभावना अधिकमुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि सुराजी गांव योजना में नरवा संवर्धन को पहली प्राथमिकता में रखा गया है। नरवा संवर्धन से वाटर रिचार्ज होगा और भू-जल स्त्रोत पुनर्जीवित होंगे। स्थानीय लोगों की निस्तारी की समस्या का समाधान होगा, साथ ही सिंचित रकबे में भी वृद्धि होगी। इसके अलावा सिंचाई रकबा बढ़ाने और निस्तारी पानी की व्यवस्था के लिए सोलर सिस्टम को बढ़ावा दिया जाए। मुख्यमंत्री ने यह बात आज गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले के ग्राम गौरेला में आयोजित जिला अधिकारियों की समीक्षा बैठक में कही।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा गया कि बड़े पैमाने पर मनरेगा के तहत कुएं का निर्माण करें। इससे निस्तारी एवं सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध रहेगा और गांव में ही रोजगार उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि सभी पंचायतों में गौठान बनाया जा रहा है। इन गौठानों को रूरल इंडस्ट्रीज पार्क के रूप में विकसित किया जाएगा। जहां लाख, वन औषधि सहित अन्य स्थानीय उत्पादों का प्रसंस्करण होगा। इसके लिए गौठान में बड़े पैमाने पर तेल मिल और हालर मिल उपलब्ध कराया जाए। इससे किसानों की आय बढ़ेगी और स्थानीय लोगों को रोजगार भी उपलब्ध होगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से यह भी कहा कि आम जनता की आय बढ़ाने के लिए कार्ययोजना बनाकर राज्य सरकार को प्रस्ताव भेजें। मुख्यमंत्री ने गौठान में चारा उत्पादन को बढ़ावा देने और अधिक से अधिक संख्या में स्व-सहायता समूह को स्वरोजगार से जोड़ने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग से संबंधित विद्यार्थियों का अधिक से अधिक संख्या में जाति प्रमाण पत्र स्कूल से ही जारी किया जाए। इसके लिए शिक्षा विभाग और राजस्व विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें। विशेष रूप से 9वीं और 10वीं कक्षा के बच्चों का जाति प्रमाण पत्र अवश्य बनाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्व प्रकरणों को प्राथमिकता के साथ समय पर निराकरण करें। अविवादित नामांतरण, बंटवारा के निस्तारण में निश्चित प्रक्रिया का पालन करते हुए भुइयां पोर्टल में दर्ज अवश्य करें, साथ ही 170 'ख' के राजस्व प्रकरणों का त्वरित निराकरण भी करें। इससे राजस्व रिकॉर्ड अपडेट रहेगा और भूमि संबंधी विवादों में कमी आएगी।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि नए जिले में काम का अवसर अधिक है, सभी अधिकारी मिलकर कार्य करें। गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध जिला है। यहां अन्य जिलों की तुलना में पर्यटन की संभावना अधिक है, उन्होंने राजमेरगढ़ को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश कलेक्टर को दिए।

मुख्यमंत्री ने वनाधिकार पट्टा, बिजली कटौती सहित अन्य स्थानीय समस्याओं के निराकरण के लिए भी अधिकारियों को निर्देशित किया। बैठक में विधायक डॉ. के.के. ध्रुव, अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री सुब्रत साहू, सचिव ऊर्जा श्री अंकित आनंद सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

कैम्पा : वन क्षेत्रों में तीन वर्षों के दौरान 568 डबरी तथा तालाबों का निर्माण पूर्ण

वनवासियों तथा वन्यप्राणियों के लिए उपयोगी साबित हो रहे तालाब

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के वन क्षेत्रों में नरवा विकास कार्यक्रम के तहत कैम्पा मद से विगत तीन वर्षों के दौरान 568 डबरी तथा तालाबों का निर्माण पूर्ण कर लिया गया है। वनांचल में निर्मित ये तालाब वन्यप्राणियों सहित वनवासियों के लिए बहुउपयोगी साबित हो रहे हैं। इनमें वर्ष 2019-20 में कुल स्वीकृत 146 डबरी तथा तालाबों में से 136 डबरी तथा तालाबों का निर्माण पूर्ण हो चुका है। इसी तरह वर्ष 2020-21 में कुल स्वीकृत 369 डबरी तथा तालाबों में से अब तक 258 तथा वर्ष 2021-22 में कुल स्वीकृत 364 में से 174 डबरी तथा तालाबों का निर्माण पूर्ण कर लिया गया है।

गौरतलब है कि डबरी तथा तालाब का निर्माण एक आम संरचना है, जो पानी को लंबे समय तक जमा करके रखने तथा विभिन्न प्रकार से इस्तेमाल में सबसे उपयुक्त है। यह ज्यादातर निचले क्षेत्र व समतल क्षेत्र में बनता है, जहां प्राकृतिक रूप से पानी रिसकर वर्षा से अथवा नाली के बहाव से आता है।

तालाब काफी समयावधि तक पानी रोककर रखता है तथा अपने आस-पास के क्षेत्र में काफी देर तक नमी बनाए रखता है। जिन क्षेत्रों में सदाबहार नाले हैं, यह संरचना बहुत उपयोगी है।

खास खबर

नई किताबें, स्कूल बैग, ड्रेस, जूते पाकर दिव्यांग सतीश के चेहरे पर आयी मुस्कान

कोरिया। जिला कलेक्टोरेट मंथन सभाकक्ष में समय सीमा की बैठक के बाद आयोजित कलेक्टर जनदर्शन में कुल 30 आवेदकों ने विभिन्न विभागों से संबधित आवेदन कलेक्टर श्री कुलदीप शर्मा के समक्ष प्रस्तुत किये। जनदर्शन में 6वीं कक्षा में पढ़ने वाले अपने 10 वर्षीय दिव्यांग पुत्र सतीश बंसल के साथ पहुँची उनकी माता ज्योति बंसल ने कलेक्टर श्री शर्मा के समक्ष पुत्र की पढ़ाई के लिए सहायता राशि के लिए आवेदन दिया। कलेक्टर श्री शर्मा ने जिला शिक्षा अधिकारी को तुरंत विद्यार्थी दुर्घटना बीमा योजनान्तर्गत सतीश को 50 हजार रुपए की सहायता राशि तथा कॉपी-क़िताब, स्कूल ड्रेस, जूते, बैगा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने एक महीना के अंदर सिटी बस संचालन के लिए एजेंसी चयन करने अधिकारियों को दिए निर्देश

रायपुर। कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे की अध्यक्षता में आज यहा कलेक्टोरेट परिसर स्थित रेडक्रास सभाकक्ष में रायपुर जिला अर्बन पब्लिक सर्विस सोसायटी की साधारण सभा की बैठक आयोजित की गई है। जिसमें सिटी बस संचालन एवं संधारण, अंतर्राज्यीय बस टर्मिनल भाठागांव के पीछे बसों के पार्किंग व्यवस्था की सुदृढ़ एवं व्यवस्थित करने, मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना अंतर्गत नगरीय निकायों में संचालित एम.एम.यू तथा श्री धनवंतरी मेडिकल स्टोर के निर्माण एवं संचालन की अनुमति के प्रकरण सहित अन्य विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियो को निर्देशित किया की सिटी बस के संचालन हेतु एजेंसी का चयन शीघ्र किया जाए। एक महीना के अंदर एजेंसी फाइनल हो जाना चाहिए।

छत्तीसगढ़ सरकार एवं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय अमरकंटक के बीच हुआ एमओयू

गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले में प्रारंभ होगा विश्वविद्यालय का कौशल विकास केन्द्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की उपस्थिति में गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले के सर्किट हाउस में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय अमरकंटक के आजीविका व्यापार प्रशिक्षण केन्द्र एवं छत्तीसगढ़ शासन के बीच एमओयू हुआ। इसके अनुसार गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय अमरकंटक सामुदायिक केन्द्र या कौशल विकास केन्द्र की स्थापना की जाएगी। इसके लिए राज्य सरकार द्वारा जिले के ग्राम लालपुर में 3 हेक्टेयर भूमि आबंटित कर दी गई है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह हमारे प्रदेश के लिए एक बहुत अच्छा अवसर है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह एमओयू न सिर्फ विश्वविद्यालय के हित में कार्य करेगा, बल्कि यहां के स्थानीय युवाओं और जनजातीय क्षेत्रों के उन्नयन के लिए कार्य करेगा। इसके लिए राज्य शासन हर संभव मदद करेगा। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय अमरकंटक के कुलपति प्रोफेसर श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी ने कहा कि यह एमओयू मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र दुर्लभ औषधीय प्रजाति से समृद्ध है। साथ ही यहां के निवासी पेड़-पौधे और दुर्लभ जीव जंतुओं एवं औषधियों के जानकार है। उनका विश्वविद्यालय के साथ मिलकर कार्य करने पर न ही सिर्फ इस क्षेत्र का विकास होगा, बल्कि पूरी मानव जाति का कल्याण होगा।

विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित केन्द्र द्वारा डिप्लोमा तथा डिग्री प्रोग्राम संचालित किए जाएंगे, जिसमें नेशनल स्किल क्वालीफिकेशन फ्रेमवर्क के अनुकूल एवं गाइड लाईन के अनुसार विभिन्न रोजगार उन्मुख ई कौशल पाठयक्रम शामिल रहेंगे। साथ ही इस केन्द्र के सहयोग से स्वरोजगार स्थापित करने के इच्छुक अभ्यर्थियों को मार्केट लिंकेज तथा क्रेडिट लिंकेज की सेवा प्रदान की जाएगी।

इसका उद्देश्य जिले में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत गठित स्व सहायता समूह की महिलाओं, ग्रामीणों एवं युवाओं को कौशल विकास एवं रोजगारोन्मुखी, व्यवसायपरक शिक्षा प्रदान कर उन्हे आर्थिक रुप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभिन्न विधाओं में पारंगत कर जनजातीय उन्नयन की दिशा में कार्य करना है। लाइवलीहुड बिजनेस इन्क्यूबेशन (एलबीआई) के समेकित प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा क्षेत्रीय जनजातियों एवं किसानों को विभिन्न ट्रेड्स में प्रशिक्षित किया जायेगा।

केन्द्र के समेकित प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा जनजातीय समुदायों को व किसानों को विभिन्न टेड्र्स में प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। केन्द्र द्वारा क्षेत्रीय उत्पाद कोदो, कुटकी, शहद आदि से विभिन्न उत्पाद तैयार कर उनकी ब्रांडिंग भी की जाएगी तथा किसानों को उचित मूल्य प्रदान किया जाएगा, जिससे क्षेत्र के किसान की आय में वृद्धि होगी और छत्तीसगढ़ के उत्पादों को राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी। इस क्षेत्र के युवाओं को कौशल विकास में पारंगत होने से स्व रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे, उच्च शिक्षा प्राप्त करने के भी अवसर मिलेंगे। साथ ही उन्हें उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए बड़े शहर जाने से मुक्ति मिलेगी। इस एमओयू से इस केन्द्र में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को शोध करने का अवसर मिलेगा। क्षेत्रीय जनजातीय समुदाय को मुख्य धारा में जोड़ने, शैक्षणिक व आर्थिक रूप से समृद्ध व आत्मनिर्भर करने में सहायक सिद्ध होगा।

इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव सुब्रत साहू, जिले के प्रभारी सचिव अब्दुलहक केशर, बिलासपुर राजस्व संभाग के कमिश्नर डॉ. संजय अलंग, कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी, जिला पंचायत डीआरडी के परियोजना निदेशक आर. के. खुटे, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के जिला मिशन प्रबंधक दुर्गाशंकर सोनी, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय के कुलसचिव पी. सिलुवैनाथन, प्रोफेसर नवीन कुमार शर्मा, डॉ. आशीष माथुर, डॉ. प्रमाणिक, डॉ. दीक्षित एवं डॉ. आदित्य श्रीवास्तव उपस्थित थे।

मंत्री श्रीमती अनिला भेंड़िया ने कृषि उपज मंडी बालोद के भारसाधक समिति के सदस्यों को दिलाई शपथ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती अनिला भेंड़िया ने आज बालोद में आयोजित समारोह में कृषि उपज मंडी बालोद के भारसाधक समिति के नवनिर्वाचित सदस्यो को शपथ दिलाई। इस अवसर पर श्रीमती भेंड़िया ने कहा कि हमारे राष्ट्र एवं समाज के ऊपर अन्नदाता किसानो का महत्वपूर्ण योगदान है। हमारे किसानों के मेहनत के बदौलत हम सशक्त हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार किसानों को हर संभव मदद उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है तथा हमारे अन्नदाता किसानों के हितों की रक्षा करना हमारी सरकार की पहली प्राथमिकता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता संजारी बालोद की विधायक श्रीमती संगीता सिन्हा ने किया। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में संसदीय सचिव एवं गुण्डरदेही विधायक कुंवर सिंह निषाद, जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती सोनादेवी देशलहरा, पूर्व विधायक डोमेन्द्र भेंड़िया, नगरपालिका बालोद के अध्यक्ष विकास चोपड़ा सहित अन्य अतिथिगण उपस्थित थे।

इस अवसर पर मंत्री श्रीमती भेंड़िया ने कृषि उपज मंडी भारसाधक समिति के सदस्यों के कार्यों एवं दायित्वों को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों से किसानों के हित में निरंतर कार्य करने की अपील भी की।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व वाले छत्तीसगढ़ सरकार के द्वारा किसान हित में चलाए जा रहे अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं को कार्यरूप में परिणीत करने हेतु कृषि उपज मण्डी समिति के सदस्यों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। श्रीमती भेंड़िया ने कहा कि हमारी सरकार किसान एवं खेती-किसानी को समृद्ध करने के अलावा छत्तीसगढ़ की कला, संस्कृति, तीज-त्यौहार, परम्परा आदि का भी संरक्षण एवं संवर्द्धन कर पूरे देश एवं दुनिया में पहचान दिलाने का कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री बघेल ने मोर आखर और स्पोर्ट्स फॉर डेव्हलपमेंट की शुरुआत की

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भेंट-मुलाकात दौरे के तहत गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले में आज दो नवाचार कार्यक्रम मोर आखर और स्पोर्ट्स फॉर डेव्हलपमेंट की शुरूआत की। मोर आखर कार्यर्क्रम गौरेला और पेण्ड्रा विकासखण्ड के 299 प्राथमिक शालाओं में क्रियान्वित की जाएगी, जो प्राथमिक शालाओं के बच्चों की प्रारंभिक भाषा शिक्षा में सुधार लाने, बच्चों की पढ़ने-लिखने की क्षमता को अधिक प्रभावी बनाने की पहल है। दूसरा कार्यक्रम स्पोर्ट्स फॉर डेव्हलपमेंट के तहत खेल के माध्यम से जिले को 543 प्राथमिक शालाओं के बच्चों को प्रायोगिक एवं व्यवहारिक पद्धति से तैयार किया जाएगा, ताकि उनमें तेजी से सीखने के कौशल के साथ-साथ स्वास्थ्य, शारीरिक एवं मानसिक विकास और उनकी जीवन शैली में सुधार लाया जा सके। गौरतलब है कि दुनिया के 50 देशों में व्यवहारिक शिक्षा की इस पद्धति का सफल प्रयोग किया जा चुका है। कोरोना काल में स्कूलों के बंद होने के कारण बच्चों में सीखने की क्षमता में कमी आई है। इसे देखते हुए मोर आखर कार्यक्रम को प्रारंभ किया गया है, जो बच्चों में पढ़ने की क्षमता और पढ़ने की आदत में वृद्धि करने में सहायक होगा। इसी तरह स्पोर्ट्स ऑफ डेव्हलपमेंट गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले के सभी स्कूलों में शुरू किया गया है। इसका उद्देश्य शारीरिक व मानसिक विकास करना और खेल-खेल में बच्चों की सीख बढ़ाना है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत कक्षा उपयुक्त, उम्र उपयुक्त और बालक-बालिकाओं को खेल में समान अवसर प्रदान किया जाना शामिल है। यह दोनों कार्यक्रम यूनिसेफ के सहयोग से संचालित किए जाएंगे।

ॐ साई राम
माँ पुस्तक भंडार
स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

खास खबर

विभिन्न सिंचाई योजनाओं के लिए 13.81 करोड़ रूपए स्वीकृत

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन ने बलरामपुर जिले के अंतर्गत विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं के विविध कार्यों के लिए 13 करोड़ 81 लाख 34 हजार रूपए स्वीकृत किए है। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के विकासखण्ड वाड्रफनगर की सुखनईया नाला स्टापडेम निर्माण कार्य के लिए दो करोड़ 30 लाख 53 हजार रूपए स्वीकृत किए गए है। योजना के पूरा होने से 120 हेक्टयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिल सकेगी। विकासखण्ड रामानुजगंज की गिरवानी व्यपवर्तन योजना के जीर्णोद्धार, नवीनीकरण एवं नहर विस्तार कार्य के लिए सात करोड़ 15 लाख आठ हजार रूपए स्वीकृत किए गए है। योजना के पूरा होने से 506 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिल सकेगी। विकासखण्ड वाड्रफनगर की बड़ा रघुनाथनगर योजना के जीर्णोद्धार कार्य के लिए दो करोड़ 45 लाख 37 हजार रूपए स्वीकृत हुए है। योजना के पूरा होने से 258 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिल सकेगी। विकासखण्ड वाड्रफनगर की हरीगवां जलाशय योजना के जीर्णोद्धार कार्य के लिए एक करोड़ 90 लाख 36 हजार रूपए स्वीकृत हुए है। योजना के पूरा होने से 200 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिल सकेगी।

छत्तीसगढ़ में अब तक 193.0 मिमी औसत वर्षा दर्ज

रायपुर। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2022 से अब तक राज्य में 193.0 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून से आज पांच जुलाई तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार जांजगीर चांपा जिले में सर्वाधिक 321.6 मिमी और बलरामपुर जिले में सबसे कम 107.5 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है। राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सरगुजा में 112.5 मिमी, सूरजपुर में 165.0 मिमी, जशपुर में 108.6 मिमी, कोरिया में 190.0 मिमी, रायपुर में 116.5 मिमी, बलौदाबाजार में 193.6 मिमी, गरियाबंद में 234.5 मिमी, महासमुंद में 194.0 मिमी, धमतरी में 176.8 मिमी, बिलासपुर में 205.9 मिमी, मुंगेली में 251.0 मिमी, रायगढ़ में 204.3 मिमी, कोरबा में 176.3 मिमी, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 287.6 मिमी, दुर्ग में 166.5 मिमी, कबीरधाम में 187.0 मिमी, राजनांदगांव में 217.0 मिमी, बालोद में 256.5 मिमी, बेमेतरा में 155.9 मिमी, बस्तर में 204.8 मिमी, कोण्डागांव में 168.7 मिमी, कांकेर में 167.5 मिमी, नारायणपुर में 193.5 मिमी, दंतेवाड़ा में 175.7 मिमी, सुकमा में 161.4 मिमी और बीजापुर में 302.8 मिमी औसत वर्षा रिकार्ड की गई।

राष्ट्रपति निर्वाचन के लिए 18 जुलाई को होगा मतदान

सुव्यवस्थित एवं निर्विघ्न मतदान की तैयारियों की समीक्षा

रायपुर। राष्ट्रपति निर्वाचन-2022 की तैयारी, सुरक्षा व सुव्यवस्थित एवं निर्विघ्न संपादन हेतु मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी की अध्यक्षता में कार्यालय मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई। बैठक में 18 जुलाई 2022 को राष्ट्रपति पद के लिए होने वाले मतदान की तैयारियों की समीक्षा हुई। मतदान हेतु छत्तीसगढ़ विधानसभा सचिवालय, रायपुर के समिति कक्ष क्रमांक-2 को मतदान केन्द्र बनाया गया है। मतदान के लिए आवश्यक निर्वाचन सामग्री नई दिल्ली से प्राप्त होगी और मतदान पश्चात सीलबंद मतपेटी एवं अन्य सामग्री नई दिल्ली में ही जमा की जाएगी। निर्वाचन सामग्री लाने व ले-जाने के लिए हवाई मार्ग का उपयोग किया जाएगा। मतदान केन्द्र से एयरपोर्ट तक सड़क मार्ग पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की जाएगी। मतदान केन्द्र पर मोबाइल फेन का उपयोग प्रतिबंधित रहेगा।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी शिखा राजपूत तिवारी, सचिव एवं सहायक रिटर्निंग ऑफिसर (राष्ट्रपति निर्वाचन 2022) छत्तीसगढ़ विधानसभा दिनेश शर्मा, संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी बिपिन मांझी, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रायपुर सहित अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रायपुर, अपर संचालक जनसंपर्क संचालनालय रायपुर, सहायक प्रबंधक स्वामी विवेकानंद अंतर्राष्ट्रीय विमानतल रायपुर उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ में कृषि आधारित स्टार्टअप्स की असीम संभावनाएंः डॉ. चंदेल

देश में स्टार्टअप्स हेतु अनुकूल माहौलः सीजीएम नाबार्ड

कृषि विश्वविद्यालय में उद्यमिता विकास कार्यक्रम

अभिनव 4.0 तथा उद्भव 4.0 का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने कहा है कि छत्तीसगढ़ में कृषि एवं लघु वनोपज आधारित स्टार्टअप्स स्थापित करने की असीम संभावनाएं हैं। उन्होंने कृषि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों एवं अन्य युवाओं से आव्हान किया कि वे कृषि एवं लघु वनोपज उत्पादों तथा न्यूट्री केयर उत्पादों पर आधारित स्टार्टअप्स लगाने के लिए आगे आएं तथा छत्तीसगढ़ और भारत के विकास में सहभागी बने। डॉ. चंदेल ने खाद्य प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन पर आधारित स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने की जरूरत जताई। उन्होंने कहा कि महाविद्यालयीन शिक्षा के दौरान विद्यार्थियों को उद्यमिता विकास के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। डॉ. चंदेल इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के सहयोग से संचालित एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन कार्यक्रम के चौथे चरण अभिनव 4.0 तथा उद्भव 4.0 की शुभारंभ समारोह में यह बातें कहीं। आईजीकेवी राबी कार्यक्रम के तहत अब तक 189 स्टार्टअप्स का पंजीयन किया गया है और 63 स्टार्टअप्स को 5.79 करोड़ रूपये की वित्तीय मदद उपलब्ध कराई गई है।

इस अवसर पर डॉ. चंदेल ने युवा उद्यमियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे उत्पाद आधारित स्टार्टअप्स को प्राथमिकता दें जिससे की राज्य में उत्पादन एवं रोजगार को बढ़ावा मिल सके। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ से कृषि एवं लघु वनोपज उत्पादों के निर्यात की भी काफी संभावनाएं हैं। देश के कुल चावल निर्यात में पांच प्रतिशत हिस्सा छत्तीसगढ़ से निर्यात होता है। पिछले वर्ष छत्तीसगढ़ से 17 हजार मिट्रिक टन कनकी चावल चीन को निर्यात किया गया है। डॉ. चंदेल ने कहा की इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में फायटोसेनेटरी प्रयोगशाला स्थापित होने से उत्पादों को विदेश निर्यात करने के लिए आवश्यक प्रमाणीकरण की सुविधा अब यही उपलब्ध हो गई है जिससे निर्यात को बढ़ावा मिलेगा।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) की मुख्य महाप्रबंधक छत्तीसगढ़ सुश्री सुपर्णा टण्डन ने कहा कि उनका बैंक छत्तीसगढ़ में कृषि विकास एवं किसानों की बेहतरी के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में कृषि उद्यमिता विकास की व्यापक संभावनाएं हैं और इस क्षेत्र में काफी युवा नये स्टार्टअप्स शुरू करने के लिए आगे आ रहे हैं। उन्होंने कहा की भारत में पिछले 10 सालों में स्टार्टअप्स के लिए अनुकूल वातावरण बना है और आज दुनिया में शुरू होने वाले हर 9 नये स्टार्टअप्स में एक स्टार्टअप भारत में स्थापित होता है। सुश्री टण्डन ने कहा कि नाबार्ड इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के साथ दीर्घकालीन साझा कार्यक्रम संचालित करना चाहता है। जिसमें कृषि विश्वविद्यालय द्वारा तकनीकी मार्गदर्शन एवं सहयोग दिया जायेगा तथा वित्तीय मदद नाबार्ड द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी।

आईजीकेवी राबी कृषि व्यवसाय उद्यमिता कार्यक्रम के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. हुलास पाठक ने इस अवसर पर कार्यक्रम के तहत विगत तीन वर्षों में किये गये प्रयासों एवं उपलब्धियों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विगत दिनों बंगलुरू में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के समारोह में आईजीकेवी राबी को देश के सर्वश्रेष्ठ स्टार्टअप इन्क्यूबेशन कार्यक्रम के रूप में सम्मानित किया गया है। समारोह में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के निदेशक विस्तार सेवाएं डॉ. पीके चन्द्राकर, संचालक अनुसंधान सेवाएं डॉ. वी.के. त्रिपाठी, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय, रायपुर डॉ. के.एल. नंदेहा, कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. विनय पाण्डेय, नाबार्ड के महाप्रबंधक सुरेन्द्र बाबू सहित कृषि विश्वविद्यालय के अनेक विभागाध्यक्ष तथा उद्यमिता विकास कार्यक्रम हेतु चयनित युवा उद्यमी उपस्थित थे।

नगरीय प्रशासन मंत्री ने आरंग में करोड़ों के विकास कार्यों की सौगात दी

21.64 करोड़ रूपए के भूमि पूजन और 6.43 करोड़ रूपए से अधिक के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ने रायपुर जिले के नगरपालिका परिषद आरंग के अंतर्गत करीब 28 करोड़ रूपए की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। डॉ. डहरिया ने 6 करोड़ 43 लाख 11 हजार रूपए की लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण किया। इनमें विभिन्न समाजों के सामुदायिक भवन, सी.सी.रोड एवं नाली निर्माण, शाला भवन, बाउण्ड्रीवाल निर्माण सहित अन्य कार्य शामिल हैं। इसी तरह से 21 करोड़ 64 लाख 12 हजार रूपए की लागत से निर्मित होने वाले करीब 34 विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया। इन कार्यों में बस स्टैण्ड, खेल मैदान, शौचालय निर्माण, सी.सी.रोड, सांस्कृतिक भवन, नाली निर्माण सहित अन्य कार्य शामिल हैं।

नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री डॉ. डहरिया ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आम लोगों की सुविधा के लिए सभी मूलभूत कार्य कराये जा रहें हैं। आम लोगों की सुविधा के लिए व्यवस्थित बाजार बनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आरंग में करीब ढाई करोड़ की लागत से सर्व सुविधायुक्त नया बुनियादी शाला भवन बनाया गया है, यहां विद्यार्थी अच्छे वातावरण में अध्ययन करेंगे। उन्होंने बताया कि बैहार में करीब तीन करोड़ रुपए की लागत से नवीन स्वामी आत्मानंद स्कूल भवन बनाया से जा रहा है। शुद्ध पेयजलापूर्ति के लिए पाइप लाइन विस्तार कार्य किया जा रहा है। वातावरण की शुद्धता के लिए सड़क किनारे वृक्षारोपण किया जा रहा है। आरंग के शासकीय बुनियादी शाला प्रांगण में आयोजित इस गरिमामय समारोह में नगरपालिका आरंग के अध्यक्ष चन्द्रशेखर चंद्राकर, कोमल साहू, आरंग के विभिन्न समाजों के प्रमुख, नगरपालिका के पार्षद, जनप्रतिनिधि एवं नागरिक उपस्थित थे।

प्रदेश में 24 जुलाई तक मनाया जा रहा है परिवार नियोजन पखवाड़ा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। परिवार नियोजन के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने राज्य शासन के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा 27 जून से 24 जुलाई तक जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा (परिवार नियोजन पखवाड़ा) चलाया जा रहा है। इस दौरान ग्राम स्तर से लेकर जिला स्तर तक विशेष अभियान चलाकर पुरूष एवं महिला नसबंदी के प्रति फैली अज्ञानता और भ्रांतियों को दूर किया जा रहा है। पखवाड़े के प्रथम चरण में 27 जून से 10 जुलाई तक एएनएम एवं मितानिनों द्वारा गृह भ्रमण कर चिन्हांकित हितग्राहियों को स्थायी व अस्थायी परिवार नियोजन के साधनों के बारे में जानकारी दी जा रही है। पखवाड़े के दूसरे चरण में 11 जुलाई से 27 जुलाई तक जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा आयोजित किया जाएगा जिसमें हितग्राहियों को परामर्श और परिवार नियोजन सेवायें प्रदान की जाएंगी। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग में परिवार कल्याण के उप संचालक डॉ. टीके टोंडर ने बताया कि देश की बढ़ती जनसंख्या चिंता का विषय है। इसके लिए सबको जागरूक होने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में पिछले पांच वर्षों में दो लाख 59 हजार 985 महिलाओं और 26 हजार 510 पुरूषों की नसबंदी की गई है। वर्ष 2017-18 में 53 हजार 236 महिलाओं एवं 7119 पुरुषों, 2018-19 में 61 हजार 342 महिलाओं एवं 5361 पुरुषों, 2019-20 में 59 हजार 991 महिलाओं एवं 6775 पुरुषों, 2020-21 में 28 हजार 159 महिलाओं एवं 2826 पुरुषों तथा 2021-22 में 57 हजार 257 महिलाओं एवं 4429 पुरुषों का नसबंदी ऑपरेशन किया गया है। डॉ. टोंडर ने बताया की रायपुर जिले में बीते चार वर्षों में 41 हजार 343 महिलाओं एवं 2264 पुरुषों की नसबंदी की गई है। इस दौरान वर्ष 2018-19 में 9720 महिलाओं एवं 460 पुरुषों, 2019-20 में 9674 महिलाओं एवं 694 पुरुषों, 2020-21 में 8827 महिलाओं एवं 376 पुरुषों तथा 2021-22 में 13 हजार 122 महिलाओं एवं 734 पुरुषों का नसबंदी ऑपरेशन किया गया।

शहर को मोतियाबिंद मुक्त बनाने आज से शुरू हुआ अभियान

25 जुलाई तक चलेगा मोतियाबिंद मुक्त अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर शहर को मोतियाबिंद मुक्त बनाने के उद्देश्य से मोतियाबिंद मुक्त अभियान शुरू किया गया है। इस अभियान का उद्देश्य लोगों को मोतियाबिंद के खतरे से बचाना और समय पर नेत्र जांच कर मोतियाबिंद के इलाज को सुनिश्चित करना है। इसमें शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम (एसएसके) की एएनएम द्वारा सर्वे किया जा रहा है।

अभियान की नोडल अधिकारी डॉ. निधि अत्रीवाल ने बताया कि इस अभियान में रायपुर शहर के प्रत्येक वार्ड में मोतियाबिंद सर्वेक्षण कर शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में ऑपरेशन के लिए चिन्हांकित किया जाएगा। मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चिन्हांकित मरीजों को लाने और ले जाने की निःशुल्क वाहन सुविधा प्रदान की जाएगी। मोतियाबिंद ऑपरेशन लेंस प्रत्यारोपण पद्धति द्वारा अत्याधुनिक मशीनों एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों के द्वारा निशुल्क में किया जाएगा। जिला स्वास्थ्य समिति जिला रायपुर इस संबंध में आम जनता से अपील भी करती है कि जिस घर में 40 वर्ष से ऊपर के व्यक्ति जिसको कम दिखाई देता है वह अपना चेकअप सर्वे के दौरान जरूर करवाएं एवं नेत्र जांच एवं उपचार करवाएं।

रायपुर शहर को मोतियाबिंद मुक्त अभियान 5 जुलाई से 25 जुलाई तक चलेगा। प्रतिदिन एएनएम द्वारा सर्वे की जानकारी नेत्र सहायक अधिकारी को देगी जो मॉनिटरिंग एवं सत्यापन करेंगे। मोतियाबिंद आंखों का एक सामान्य रोग है। प्रायः 55 वर्ष की आयु से अधिक के लोगों में मोतियाबिंद होता है, किन्तु युवा लोग भी इससे प्रतिरक्षित नहीं हैं। मोतियाबिंद विश्व भर में अंधत्व के मुख्य कारण हैं। इसका लक्षण दृष्टि में धुंधलापन या अस्पष्टता बुजुर्गों में निकट दृष्टि दोष में निरंतर बढ़ोतरी रंगों को देखने की क्षमता में बदलाव क्योंकि लेंस एक फिल्टर की तरह काम करता है; रात में ड्राइविंग में दिक्कत आना जैसे सामने से आती गाड़ी की हैडलाइट से आंखें चौंधियाना या दिन के समय आँखें चौंधियाना, दोहरी दृष्टि (डबल विज़न), चश्मे के नंबर में अचानक बदलाव आना और दोनों आंखों के पावर में असंतुलन के चलते सर दर्द रहना है।

एक साल में गौठानों की संख्या में 44 प्रतिशत और लाभान्वित पशुपालकों में 24 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार की गोधन न्याय योजना की लोकप्रियता दिनों दिन बढ़ती जा रही है। यह योजना वर्तमान समय में गांवों में आय एवं रोजगार का प्रभावी विकल्प बन गई है। यही वजह है कि बीते एक सालों में राज्य में निर्मित एवं संचालित गौठानों की संख्या में 44 फीसदी की वृद्धि हुई है, जिसके चलते गौठानों की संख्या 5,847 से बढ़कर 8,408 हो गई है। गोधन न्याय योजना के तहत लाभान्वित पशुपालकों की संख्या में भी 24 फीसद का इजाफा हुआ है। गौठानों में गोबर बेचने वाले ग्रामीण पशुपालक की संख्या एक साल में 1,70,508 से बढ़कर 2,11,540 हो गई है। गोधन न्याय योजनांतर्गत पंजीकृत पशुपालकों की संख्या 3,10,073 है। सुराजी गांव योजना के गरवा कार्यक्रम के तहत राज्य में अब तक 10,624 गौठानों के निर्माण की स्वीकृति दी गई है, जिसमें 30 जून 2022 की स्थिति 8408 गौठान निर्मित हो चुके हैं, जिसमें 185 शहरी क्षेत्रों में, 7316 ग्रामीण क्षेत्रों में तथा 907 गौठान आवर्ती चराई के वनांचल क्षेत्रों में स्थापित किए गए हैं। कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्तमान में लगभग 1600 गौठान ऐसे हैं, जहां प्रत्येक पखवाड़े में 30 क्विंटल या उससे अधिक गोबर क्रय किया जा रहा है।

गौरतलब है कि राज्य में 20 जुलाई 2020 से गोधन न्याय योजना की शुरूआत की गई है। इस योजना के तहत पशुपालकों एवं ग्रामीणों से गौठानों में दो रूपए किलो की दर से गोबर की खरीदी की जा रही है। क्रय गोबर से महिला स्व-सहायता समूह वर्मी कम्पोस्ट, सुपर कम्पोस्ट, सुपर कम्पोस्ट प्लस तैयार करने के साथ ही दीया, गमला, अगरबत्ती, गुलाल सहित अन्य सामग्री तैयार कर रही है। गोबर से प्राकृतिक पेंट एवं पुट्टी उत्पादन का काम भी रायपुर के समीप हीरापुर-जरवाय गौठान में शुरू कर दिया गया है। गोबर से विद्युत उत्पादन की भी शुरूआत 02 अक्टूबर 2021 से रायपुर, दुर्ग, बेमेतरा जिले के गौठानों में की जा चुकी है। गोबर से प्राकृतिक पेंट और पुट्टी बनाने के लिए राज्य के 75 चयनित गौठानों में मशीनें लगाई जा रही है। गौठानों को रूरल इंडस्ट्रियल पार्क के रूप में विकसित कर वहां प्रोसेसिंग यूनिटें भी लगाई जा रही है। राज्य के 227 गौठानों में तेल मिल एवं 251 गौठानों में दाल मिल स्थापना का काम तेजी जारी है। गोधन न्याय योजना के तहत 30 जून 2022 तक की स्थिति में 75.38 लाख क्विंटल गोबर क्रय किया जा चुका है, जिसके एवज में गोबर विक्रेताओं को 147 करोड़ 6 लाख रूपए का भुगतान किया गया है।

आरना इंटरप्राईजेस
कांटावाला
वाटर प्यूरीफायर के विक्रेता एवं सुधारक
छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
इलेक्ट्रानिक तराजू एवं सीसीटीवी कैमरा के विक्रेता व सुधारक
सर्कुलर मार्केट कैम्प-2, भिलाई, न्यू जेपी स्पोर्ट्स के सामने
7828844440, 9993045122
नया बस स्टैण्ड, शिव मंदिर रोड, दुर्ग, 09981370285, 9302833333

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

प्रीति ड्रेसेस
मेन्स एण्ड लेडिस वियर
जवाहर मार्केट, पावरहाउस, भिलाई
मो. 9589230033, 9993840094

● जीन्स
● टी-शर्ट
● शर्ट
● ट्राउजर
भारत जींस
जवाहर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

मोमोस नास्ता सेंटर...
थापा शुद्ध मोमोस सेंटर
फुल हाफ
वेज मोमोस 40/- 20/-
मनचुरियन मोमोस 50/- 30/-
पनीर मोमोस 60/- 30/-
मोमोस-10, 20 और 30 रू. का भी मिलता है। शुद्ध बिना ऑयल का बना
मो.-9977690915, 7898349602
सर्कुलर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
अनुप ट्रेडर्स
सर्कुलर मार्केट, कैम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

प्रमोद इंटरप्राइजेस
गेंहू, चांवल एवं दाल के थोक विक्रेता
लिंक रोड, कैम्प-2, भिलाई-दुर्ग
फोनः 0788-2225449, 93290-13017

Hotel Shiv Prabha Inn. & Town King
The Family Restaurant
46-C Market, Near Sapana Talkies & Hotel Apana Keshari Lodge, Power House, Bhilai, Distt.-Durg (C.G.)
9893215251, 8966981590
Email.: ranjanaguptakeshari@gmail.com

BIHAR BOOT HOUSE
Jawahar Market, Power House
Bhilai 9826181183

हैप्पी बर्थडे रणवीरः एडवर्टाइजिंग में राइटर के तौर पर की थी करियर की शुरुआत, 12 साल के करियर में 20 में से 16 फिल्में रहीं हिट

आज रणवीर सिंह अपना 37वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रहे हैं। रणवीर ने एडवर्टाइजमेंट राइटिंग से करियर की शुरुआत की थी। फिल्म बैंड बाजा बारात से उन्होंने अपना एक्टिंग डेब्यू किया और ये फिल्म सुपरहिट रही, इसके साथ ही उनका एक्टिंग करियर भी चल पड़ा। आज रणवीर जाना-माना नाम हैं। उन्हें बॉलीवुड के सबसे एनर्जेटिक मैन के नाम से भी जाना जाता है। रणवीर सिंह ने अपने करियर में 20 फिल्में की हैं जिनमें से 4 ही फ्लॉप हुई हैं। तो चलिए आज रणवीर की अबतक की जर्नी पर एक नजर डालते हैं।

बचपन से ही एक्टर बनना था सपना

रणवीर का जन्म 6 जुलाई 1985 को मुंबई में एक सिंधी हिंदू फैमिली में हुआ था। रणवीर का सपना बचपन से ही एक्टर बनने का था इसलिए उन्होंने स्कूल प्ले और डिबेट में पार्टिसिपेट करना शुरू कर दिया। वो स्कूल में होने वाली हर डिबेट में पार्टिसिपेट किया करते थे। उन्होंने एचआर कॉलेज से कॉमर्स की पढ़ाई की। इस दौरान रणवीर लगातार ऑडिशन भी दे रहे थे लेकिन कहीं उनका सिलेक्शन नहीं हो रहा था। अबतक रणवीर को पता चल गया था कि बॉलीवुड में एंट्री इतनी भी आसान नहीं है। कॉमर्स के बाद उन्होंने माइनर एकेडमी से एक्टिंग क्लासेस लेनी शुरू कर दी।

राइटर के तौर पर हुई करियर की शुरुआत

रणवीर को जब कोई फिल्म नहीं मिल रही थी तब उन्होंने एडवर्टाइजिंग एजेंसी के साथ राइटर के तौर पर काम करना शुरू कर दिया। इस दौरान उन्होंने असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर भी काम किया। अब भी रणवीर को एक्टर बनने की भूख थी लेकिन कई जगहों पर ऑडिशन देने के बाद भी उन्हें छोटे-मोटे रोल ही मिल रहे थे।

आदित्य चोपड़ा ने दी पहली फिल्म

रणवीर ने फिल्म बैंड बाजा बारात के लिए ऑडिशन दिया जो आदित्य चोपड़ा को बेहद पसंद आया और उन्होंने इस फिल्म में बिट्टू शर्मा के रोल के लिए रणवीर सिंह को कास्ट कर लिया। इस फिल्म से रणवीर को बॉलीवुड में तो एंट्री मिल चुकी थी लेकिन फिल्म में उन्हें टिपिकल दिल्ली के लड़के का रोल करना था। ऐसे में इस रोल के लिए रणवीर ने कई दिनों तक दिल्ली यूनिवर्सिटी के कैंपस में बिताए और वहां का माहौल जाना। फिल्म 2010 में रिलीज हुई। फिल्म स्लीपर हिट रही। इस फिल्म में रणवीर की एक्टिंग को काफी सराहा गया। इस फिल्म के लिए रणवीर को बेस्ट मेल डेब्यू का अवॉर्ड दिया गया था। फिल्म ने 15 अवॉर्ड जीते थे।

एक साल में ही आई दूसरी फिल्म

रणवीर को एक साल के अदंर ही दूसरी फिल्म मिल गई और 2011 में फिल्म 'लेडीज वर्सेज रिकी बहल' आई। इस फिल्म में भी रणवीर के रोल को काफी तारीफें मिलीं। रणवीर के करियर की पहली सुपरहिट फिल्म 'गोलियों की रासलीला रामलीला' थी। फिल्म में रणवीर और दीपिका की जोड़ी को खासा पसंद किया गया था। महज 48 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने 220 करोड़ रुपए का बिजनेस किया था।

12 सालों के करियर में 20 फिल्मों में किया काम

रणवीर सिंह ने महज 12 सालों के फिल्मी करियर में खुद को टॉप स्टार्स की लिस्ट में शामिल कर लिया है। उन्होंने अबतक 20 फिल्में की हैं। सभी फिल्मों में रणवीर की परफॉरमेंस को सराहा गया है। उनकी 20 में से 4 फिल्में फ्लॉप रहीं हैं।

देश के सबसे ज्यादा पेड एक्टर्स में से एक

रणवीर देश में सबसे ज्यादा कमाई करने वाले एक्टर्स में से एक हैं। उन्हें 2012 से लगातार की फोर्ब्स की सेलिब्रिटी-100 की लिस्ट में शामिल किया जाता रहा है। 2019 में उन्हें भारत के सबसे पावरफुल लोगों में से एक माना गया था।

2018 में दीपिका से की शादी

रणवीर और दीपिका फिल्म 'गोलियों की रासलीला: रामलीला' की शूटिंग के दौरान ही एक-दूसरे के काफी करीब आ गए थे। 6 साल तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद कपल 2018 में शादी के बंधन में बंध गया। दोनों ने इटली में शादी की और इस फंक्शन से मीडिया को दूर रखा गया।

36 फिल्मफेयर अवॉर्ड जीते

रणवीर सिंह ने डेब्यू फिल्म के लिए बेस्ट मेल डेब्यू का फिल्मफेयर अवॉर्ड जीता था। इसके अलावा एक्टर ने बेस्ट एक्टर के 3 और अवॉर्ड भी जीते हैं। इसके अलावा एक्टर ने 32 अन्य अवॉर्ड अपने नाम किए हैं। फिलहाल रणवीर फिल्म सर्कस और रॉकी और रानी की प्रेम कहानी की शूटिंग में व्यस्त हैं।

सामंथा रुथ प्रभु का बॉलीवुड डेब्यू

आयुष्मान खुराना के साथ साइन की पहली हिंदी फिल्म

साउथ सुपरस्टार सामंथा रुथ प्रभु जल्द ही अपना बॉलीवुड डेब्यू करने जा रही हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार एक्ट्रेस ने आयुष्मान खुराना के साथ अपनी पहली हिंदी फिल्म साइन की है। कहा जा रहा है कि एक्ट्रेस को इस फिल्म की स्क्रिप्ट पसंद आ गई है। हालांकि सामंथा अमेजन प्राइम की वेब सीरीज 'द फैमिली मैन' के सीजन 2 से अपना डिजीटल डेब्यू तो कर चुकी हैं। इसके बाद से ही लोग उनके बॉलीवुड डेब्यू का इंतजार कर रहे हैं।

2023 के आखिरी तक रिलीज होगी यह फिल्म

रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म मेकर्स ने फिलहाल सब कुछ छुपा कर रखा है। इस फिल्म की साल के आखिरी में शूटिंग होगी और यह 2023 के अंत में रिलीज होगी। इस फिल्म में ह्यूमर और ड्रामा के साथ सस्पेंस भी देखने को मिलेगा। हालांकि इस फिल्म को डायरेक्ट कौन करेगा, इस पर फैसला होना अभी बाकी है।

रिपोर्ट्स में यह भी बताया जा रहा है कि सामंथा ने अपनी दूसरी हिंदी फिल्म भी साइन की है। इसे एक पौराणिक महाकाव्य कहा जाता है, जिसकी शूटिंग 2023 में शुरू होने वाली है।

सामंथा का हाल ही में नागा चैतन्य से हुआ है तलाक

सामंथा ने बतौर मॉडल अपने करियर की शुरुआत की थी। एक्ट्रेस अब तक कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों में काम कर चुकी हैं। सामंथा साउथ इंडस्ट्री की जानी मानी एक्ट्रेस हैं। सामंथा का सबसे ज्यादा फीस चार्ज करने के लिस्ट में सबसे पहले नंबर पर नाम है। 'पुष्पा' फिल्म के फेमस आइटम नंबर 'ऊ अंतावा' के लिए सामंथा ने पांच करोड़ रुपए लिए थे। सामंथा ने साउथ के सुपरस्टार नागार्जुन के बेटे नागा चैतन्य से शादी की थी। बाद में दोनों अलग हो गए।

अब शुरू हुए 'रॉकेट्री' के लिए स्कूली बच्चों के ग्रुप शोज, मंगलवार को बढ़ा कलेक्शन

सोमवार की गिरावट के बाद मंगलवार को निर्माता, निर्देशक और अभिनेता आर माधवन की फिल्म 'रॉकेट्री द नंबी इफेक्ट' ने फिर से अपने कलेक्शन में बढ़ोत्तरी दर्ज करनी शुरू कर दी है। देश के कई हिस्सों से इस फिल्म के लिए ग्रुप बुकिंग और स्कूली छात्रों के स्पेशल शोज भी होने शुरू हो गए हैं। फिल्म देखने वाले इस फिल्म को देश में टैक्स फ्री करने की मांग भी कर रहे हैं। फिल्म का कलेक्शन मंगलवार को बढ़ने का सीधा असर इसके साथ रिलीज हुई फिल्म 'राष्ट्रकवच ओम' और बीते हफ्ते की रिलीज 'जुग जुग जियो' के गिरते कलेक्शन पर दिख रहा है। इस बीच माधवन ने शुक्रवार से फिल्म के तमिल संस्करण के शोज बढ़ाने का वादा किया है।

ओटीटी के लिए अभी करना होगा इंतजार

1 जुलाई को रिलीज हुई फिल्म 'रॉकेट्री द नंबी इफेक्ट' की रिलीज दक्षिण भारतीय फिल्म निर्माताओं की संस्था के लिए हाल में लिए गए फैसले के चलते ओटीटी पर 15 अगस्त के बाद ही संभव हो सकेगी। इस बीच फिल्म को देखने वाले दर्शकों की तादाद सोमवार को घटने के बाद मंगलवार को फिर से बढ़ने लगी है। फिल्म ने रिलीज के पहले वीकएंड में 8.75 करोड़ रुपये का अच्छा कारोबार किया था। सोमवार के अंतिम आंकड़ों के मुताबिक फिल्म ने सभी भाषाओं को मिलाकर करीब 1.30 करोड़ रुपये का कारोबार किया। फिल्म की तमिल संस्करण से करीब 50 लाख रुपये, हिंदी संस्करण से करीब 76 लाख रुपये और मलयालम संस्करण स करीब चार लाख रुपये की कमाई हुई।

मंगलवार को फिर बढ़ा कलेक्शन

आमतौर पर नई रिलीज होने वाली फिल्मों की कमाई शुक्रवार से लेकर रविवार तक बढ़ती है इसके बाद सोमवार से लेकर गुरुवार तक फिल्म की कमाई लगातार घटती जाती है और ये कमाई अगले वीकएंड पर जाकर ही फिर से बढ़ना शुरू होती है। लेकिन फिल्म 'रॉकेट्री द नंबी इफेक्ट' ने मंगलवार को आश्चर्यजनक रूप से अपनी कमाई सोमवार की कमाई से बेहतर कर ली है। फिल्म ने सोमवार के कलेक्शन में मंगलवार को करीब पांच लाख रुपये की बढ़ोत्तरी शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक की है। फिल्म का मंगलवार का कलेक्शन करीब 1.35 करोड़ रुपये रहने की उम्मीद है।

राष्ट्रकवच ओम' का कलेक्शन गिरा

उधर, फिल्म 'रॉकेट्री द नंबी इफेक्ट' के साथ ही रिलीज हुई फिल्म 'राष्ट्रकवच ओम' का कलेक्शन मंगलवार को और गिरा और अब ये आंकड़ा एक करोड़ रुपये के नीचे पहुंचता दिख रहा है। फिल्म को जी स्टूडियोज ने पूरे देश में रिलीज किया है। फिल्म के कलाकारों ने इसका पूरे देश में घूम घूमकर प्रचार भी किया लेकिन फिल्म अपने साथ रिलीज हुई फिल्म 'रॉकेट्री द नंबी इफेक्ट' से पहले दिन से ही पिछड़ती रही। 'रॉकेट्री' के अब तक करीब 11.25 करोड़ रुपये के कारोबार के मुकाबले 'राष्ट्रकवच ओम' सिर्फ करीब सवा सात करोड़ रुपये कमा पाई है।

जुग जुग जियो' की उल्टी गिनती शुरू

इस बीच 24 जून को रिलीज हुई धर्मा प्रोडक्शंस की मल्टीस्टारर फिल्म 'जुग जुग जियो' ने बॉक्स ऑफिस पर मैदान छोड़ना शुरू कर दिया है। फिल्म के कलेक्शन में सोमवार को ही जबर्दस्त गिरावट देखने को मिली थी। इसकी एक वजह हॉलीवुड फिल्म 'थॉर: लव एंड थंडर' की एडवांस बुकिंग को भी माना जा रहा है। फिल्म 'जुग जुग जियो' ने रिलीज के दूसरे सोमवार को करीब 1.97 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। मंगलवार को ये कलेक्शन और नीचे गिरकर शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक करीब 1.80 करोड़ तक पहुंच गया।

राजकुमार राव ने की नेपोटिज्म पर बातःबोले-

इंडस्ट्री में नेपोटिज्म हमेशा रहेगा, लेकिन अब कई अपॉर्च्यूनिटीज हैं

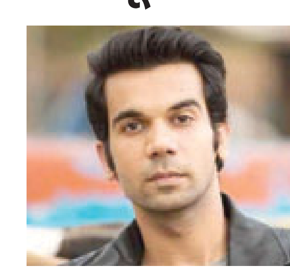

बॉलीवुड एक्टर राजकुमार राव ने हाल ही में फिल्म इंडस्ट्री में नेपोटिज्म पर बात की है। एक इंटरव्यू में एक्टर ने कहा कि नेपोटिज्म हमेशा इंडस्ट्री में रहेगा। साथ ही उन्होंने बताया कि नेपोटिज्म होने के बावजूद भी इंडस्ट्री में बहुत सारी अपॉर्च्यूनिटीज हैं। राजकुमार ने अपने फ्रेंड्स और क्लासमेट जयदीप अहलावत और प्रतीक गांधी के बारे में भी बात की, जिन्हें ओटीटी प्लेटफॉर्म के जरिए पहचान मिली है।

राजकुमार ने की नेपोटिज्म पर बात

राजकुमार ने कहा, इंडस्ट्री में नेपोटिज्म हमेशा रहेगा, लेकिन अब कई अपॉर्च्यूनिटीज हैं। मेरे ऐसे दोस्त हैं जो मेरे क्लासमेट्स थे लेकिन उन्हें अब पहचान मिल रही हैं। इन सबका श्रेय ओटीटी प्लेटफॉर्म को जाता है। जयदीप अहलावत ने पाताल लोक और प्रतीक गांधी ने स्कैम 1992 में बहुत अच्छा काम किया है। नेपोटिज्म इंडस्ट्री में हमेशा रहेगा, लेकिन आपका काम और टैलेंट बोलेगा।

हिट फिल्मों का फॉर्मूला कोई नहीं जानता है- राजकुमार

राजकुमार राव ने हिट फिल्म और फिल्मों में अपनी चॉइस पर बात करते हुए कहा, कोई भी हिट फिल्म का फॉर्मूला नहीं जानता है, आपको कोशिश करते रहना है और फिर इसे किस्मत पर छोड़ देना है। मैंने इस बारे में कभी नहीं सोचा की साउथ की फिल्में अच्छा परफॉर्म क्यूं कर रही हैं, हो सकता है कि वो सच में अच्छी फिल्में हों और हार्ड वर्क दिखता है। मुझे लगता है कि सिनेमा कई फेज से गुजरता है। एक्टर ने आगे कहा, एक समय था जब सॉन्ग्स की शूटिंग स्विट्जरलैंड में होती थी, उसके बाद हमनें स्मॉल टाउन स्टोरीज बताना शुरू किया और अब ये वक्त लार्जर देन लाइफ सिनेमा का वक्त है, जो कि साउथ में बन रही हैं। एक एक्टर के तौर पर मैं ऐसी फिल्में करूंगा जिन पर मुझे प्राउड फील होगा। मैं नहीं चाहता कि मैं एक झुंड का हिस्सा बनूं। कोई बात नहीं अगर मेरी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये नहीं कमाती हैं।

राजकुमार जल्द ही सान्या मल्होत्रा के साथ 'हिट: द फर्स्ट' केस में नजर आएंगे। सैलेश कोलानु के डायरेक्शन में बन रही फिल्म इसी नाम की तेलुगु फिल्म का हिंदी रीमेक है। यह 15 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके अलावा एक्टर 'मिस्टर एंड मिसेज माही' में जाह्नवी कपूर के साथ नजर आएंगे। एक्टर के पास 'भीड़', 'सेकेंड इनिंग', श्रीकांत भोला की बायोपिक और 'स्वागत है' जैसी फिल्में हैं।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Pankaj Mobile
Tata Play Connection Available
All Accessories & General Electricals Items
All Types Recharge & DTH, FastTag Recharge
Pankaj Umbre-
Mo.- 9993240894, 7987806710
Shop No.- 4, Jugnu Dera Complex, Adarsh Nagar, Potia Road, Durg (C.G.)

SHRI SAI COMMERCE COACHING
A Complete Commerce Solution
ONLINE CLASS XIth XIIth B.COM CA/CS/CMA
Registration Open
KHOOBI SIR- Director
Sirsa Road, Kohka, Bhilai, Mo.-98935-82241
www.shri.sai.commercecoaching.com

YOGESH COMPUTER Sales & Service
All Computer Peripherals & Repairing
Hardware
CCTV Camera
Networking
Software
Yogesh Sirame
Mo-9893342971
7748064280
Azad Chowk, Muktidham Road Ramnagar, Supela, Bhilai
Email : sirameyogesh@gmail.com

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

7 अगस्त को राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक

रायपुर। लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक 7 अगस्त को एक दिवसीय बैठक लोहिया सदन भोपाल मध्यप्रदेश में प्रात: बजे आयोजित है। जिसमें पार्टी के संरक्षक रघु ठाकुर विशेष रूप से उपस्थित होकर मार्गदर्शन करेंगे। अध्यक्षता पार्टी के अध्यक्ष शंभू दयाल बघेल अध्यक्षता करेंगे। उक्त जानकारी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अरूण प्रताप सिंह ने छत्तीसगढ़ के समस्त पार्टी पदाधिकारियों को उक्त बैठक में आमंत्रित किया है। उक्त जानकारी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पंडा ने दी।

स्व. मधु लिमये शताब्दी वर्ष के अवसर पर संगोष्ठी का आयोजन 17 को

रायपुर। प्रख्यात समाजवादी चिंतक एवं पूर्व सांसद स्वर्गीय मधु लिमये की शताब्दी वर्ष के अवसर पर रायपुर राजधानी में मोतीबाग प्रेसक्लब में एक संगोष्ठी का आयोजन आगामी 17 जुलाई रविवार को प्रात: 11 बजे से 3 बजे के मध्य किया जा रहा है। जिसमें मुख्यवक्ता के रूप में समाजवादी चिंतक रघु ठाकुर का विशेष उद्बोधन होगा। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ तमाम समाजवादी विचारक उपस्थित होकर अपनी बात रखेंगे। उक्त जानकारी देते हुए समाजवादी नेता मातामणी तिवारी एवं अशोक पंडा ने संयुक्त रूप से प्रेस को दी।

संतों के चातुर्मासिक सत्संग के लिए तैयार हो रहा विशाल पंडाल

रायपुर। चातुर्मास की घड़ी अब बहुत नजदीक आ चुकी है। कुछ ही दिनों में प्रदेश सहित पूरे शहर के लोग एक नए उमंग के साथ अपना दिन और समय व्यतीत करेंगे। चूंकि इस बार शहर में एक बड़ा ही ऐतिहासिक चातुर्मास होने जा रहा है इसलिए इसकी तैयारी भी उस हिसाब से की जा रही है। ऋषभदेव जैन मंदिर ट्रस्ट और दिव्य चातुर्मास समिति के पदाधिकारी मिलकर उच्च कोटि की व्यवस्था करने दिन-रात लगे हुए हैं। जानकारी के अनुसार दोनों संत कल बुधवार को दुर्ग से विहार करेंगे इसके बाद वैशाली नगर भिलाई , कैवल्यधाम और फिर अपने अंतिम पड़ाव की ओर उनका पद विहार होगा।

नई सामग्री की खोज : इंफ्रारेड प्रकाश को नवीकरणीय ऊर्जा में कर सकती है परिवर्तित

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली (पीआईबी)। वैज्ञानिकों ने एक ऐसी नई सामग्री की खोज की है जो उच्च दक्षता के साथ इंफ्रारेड प्रकाश का उत्सर्जन, खोज और संशोधन करके इसे सौर और थर्मल ऊर्जा संरक्षण तथा ऑप्टिकल संचार उपकरणों के लिए उपयोगी बना सकती है। विद्युत चुम्बकीय तरंगें नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत हैं, जिनका उपयोग बिजली उत्पादन, दूरसंचार, रक्षा और सुरक्षा प्रौद्योगिकियों, सेंसरों और स्वास्थ्य सेवाओं में किया जाता है।

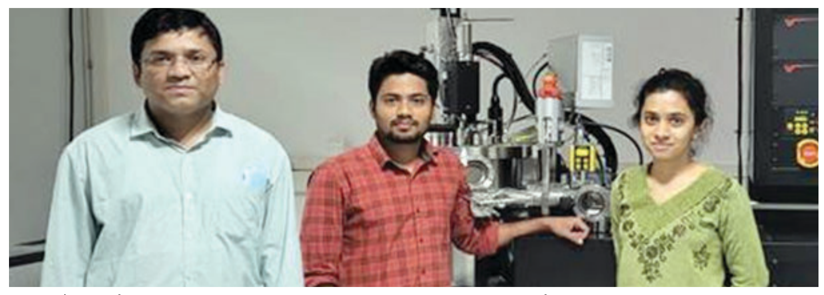

वैज्ञानिक ऐसी विशेष सामग्रियों का इस्तेमाल तरंगों में सटीक रूप से परिवर्तन करने के लिए उच्च-तकनीकी विधियों का उपयोग करते हैं। इनके आयाम मानव बालों की तुलना में हजारों गुना छोटे होते हैं। विशेष रूप से इंफ्रारेड प्रकाश की सभी वेबलैंग्थ (विद्युत चुम्बकीय तरंगों) का उपयोग करना आसान नहीं है क्योंकि इसका पता लगाना और संशोधित करना बहुत मुश्किल है। इंफ्रारेड प्रकाश अनुप्रयोगों के लिए बौद्धिकक्षमता और अत्याधुनिक सामग्रियों की जरूरत होती है जो उच्च क्षमता के साथ वांछित स्पेक्ट्रल रेंज में उत्तेजना, मॉड्यूलेशन और खोज को सक्षम बना सकती हैं। कुछ मौजूदा सामग्रियां इन्फ्रारेड स्पेक्ट्रल रेंज में लाइट मैटर क्रियाओं के लिए होस्ट के रूप में काम कर सकती हैं, हालांकि ऐसा बहुत कम क्षमता के साथ होता है। ऐसी सामग्रियों की परिचालन स्पेक्ट्रल रेंज भी औद्योगिक रूप से महत्वपूर्ण लघु वेबलैंग्थ इन्फ्रारेड स्पेक्ट्रल रेंज को कवर नहीं करती है।

बेंगलुरु स्थित जवाहरलाल नेहरू सेंटर फॉर एडवांस्ड साइंटिफिक रिसर्च (जेएनसीएएसआर), जो विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) का एक स्वायत्त संस्थान है। एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में इस संस्थान के शोधकर्ताओं ने सिंगल-क्रिस्टेलाइन स्कैंडियम नाइट्राइड (एससीएन) नामक नई सामग्री की खोज की है जो उच्च दक्षता के साथ इंफ्रारेड प्रकाश का उत्सर्जन, खोज और संशोधन कर सकती है।

इस संस्थान के.सी.मौर्य और उसके सहकर्मियों ने पोलरिटोन उत्तेजन नामक एक वैज्ञानिक विधि का उपयोग किया है, जो अनुरूप सामग्री में होती है इसमें प्रकाश या तो सामूहिक मुक्त इलेक्ट्रॉन दोलनों से या ध्रुवीय जाली कंपन के साथ हल्के रूप में जुड़ जाते हैं। उन्होंने यह सफलता हासिल करने के लिए पोलरिटोन (एक अर्ध-कण) को उत्तेजित करने के लिए भौतिक गुणों को सावधानीपूर्वक नियंत्रित किया है और इन्फ्रा रेड प्रकाश का उपयोग करके सिंगल-क्रिस्टेलाइन स्कैंडियम नाइट्राइड में मजबूत प्रकाश-पदार्थ इंटरैक्शन प्राप्त किया। एससीएन में ये असाधारण पोलरिटोन का उपयोग सौर और थर्मल ऊर्जा संरक्षण में किया जा सकता है। स्कैंडियम नाइट्राइड की तरह यह सामग्री एक ही परिवार से संबंध के कारण गैलियम नाइट्राइड (जीएएन) के रूप में आधुनिक कॉम्पलिमेंट्री-मै ट ल - ऑ क सा इ ड - से मी क ंड क ट र (सीएमओएस) या सी-चिप तकनीक के साथ अनुरूप है इसलिए ऑन-चिप ऑप्टिकल संचार उपकरणों के लिए इसे आसानी से एकीकृत किया जा सकता है।

रोज परोपकार-प्रणाम और प्रार्थना करें, आपके सारे ग्रह अनुकूल हो जाएंगे - राष्ट्रसंत ललितप्रभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। राष्ट्र-संत श्री ललितप्रभ सागर महाराज ने कहा कि अगर हम पेंसिल बनकर किसी के लिए सुख नहीं लिख सकते तो कम-से-कम रबर बनकर उनके दुख तो मिटा ही सकते हैं। घर में खाना बनाते समय एक मुट्ठी आटा अतिरिक्त भिगोएं और सुबह पूजा करते समय 10 रुपए दूसरों की मदद के लिए गुल्लक में डालें। एक मुट्ठी आटे की रोटियां तो दुकान जाते समय गाय-कुत्तों को डाल दें और नगद राशि को इकट्ठा होने पर किसी बीमार या अपाहिज की मदद में लगा दें। मात्र नौ महिने में आपके सारे ग्रह-गोचर अनुकूल हो जाएंगे। संत प्रवर मंगलवार को सकल जैन समाज द्वारा जिला कचहरी के पीछे स्थित ऋषभ नगर मैदान में आयोजित चार दिवसीय जीने की कला प्रवचन माला के समापन पर हजारों सत्संग प्रेमी भाई बहनों को घर को कैसे बनाएं जीवन को मालामाल विषय पर संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि रास्ते से गुजरते समय मंदिर आने पर आप प्रार्थना में हाथ जोड़ें और अगर कोई एंबुलेंस गुजरती नजर आए तो उसे देखकर उसके लिए ईश्वर से दुआ अवश्य करें।

संभव है आपकी दुआ उसे नया जीवन दे दे। अगर आप किसी मजदूर से दिनभर मेहनत करवाते हैं तो उसका पसीना सूखे उससे पहले उसे उसका मेहनताना दे दीजिए। किसी के मेहनताने को दबाना हमारे आते हुए भाग्य के कदमों पर दो कील ठोकना है। विद्यालय भी

ईश्वर के ही मंदिर हुआ करते हैं, पर विद्यालय बनाना हर किसी के बूते की बात नहीं होती। आप केवल किसी एक गरीब बच्चे की पढ़ाई को गोद ले लीजिए, आपको विद्यालय बनाने जैसा पुण्य ही मिलेगा।

राष्ट्रसंत ने कहा कि दूध का सार मलाई है, पर जीवन का सार दूसरों की भलाई है। हमें रोज छोटा-मोटा ही सही पर एक भलाई का काम जरुर करना चाहिए। बिल गेट्स और अजीम प्रेमजी जैसे अमीरों ने दुनिया की भलाई के लिए हजारों करोड रुपयों की चैरिटी की है। आप फूल-पांखुरी ही सही, चैरिटी के काम अवश्य करें। दुनिया में कुछ लोग खाकर राजी होते हैं, कुछ लोग खिलाकर। आप प्रभु से प्रार्थना कीजिए कि प्रभु सदा इतना समर्थ बनाए रखना कि मैं औरों को खिलाकर खुश होने का सौभाग्य प्राप्त करूं।

इस अवसर पर संत प्रवर ने युवा पीढ़ी को प्रतिदिन माता-पिता को पंचांग प्रणाम करने और प्रभु की प्रार्थना करने की प्रेरणा दी। प्रवचन से प्रभावित होकर सभी श्रद्धालुओं ने भाव पूर्वक माता-पिता को पंचांग प्रणाम किया और प्रतिदिन प्रणाम करने व परोपकार करने का संकल्प लिया। प्रवचन के बीच जब संत प्रवर ने नहीं चाहिए दिल दुखाना किसी का, सदा ना रहा है सदा ना रहेगा जमाना किसी का....भजन गुनगुनाया तो श्रद्धालु हाथ उठाकर भक्ति में झूमने लगे।

इस दौरान डॉ मुनि शांतिप्रिय सागर जी महाराज ने कहा कि इंसान की पहचान ऊँचे पहनावे से नहीं ऊंची जुबान से होती है। हम शब्दों को संभालकर बोलें। शब्दों में बड़ी जान होती है। इन्हीं से आरती, अरदास और अजान होती है। ये समंदर के वे मोती हैं जिनसे अच्छे आदमी की पहचान होती है। उन्होंने कहा कि बोलने की कला राम से सीखो। जहां रावण ने कड़क जबान से अपने सगे भाई विभीषण को खो दिया वहीं राम ने मीठी जबान से दुश्मन के भाई को भी अपना बना लिया। अगर द्रोपदी भी दुर्योधन पर 'अंधे का बेटा अंधा' कहने का व्यंग्य बाण न छोड़ती तो शायद न उसका चीरहरण होता न महाभारत का युद्ध छिड़ता। उन्होंने कहा कि बोलने की कला में ही लोकप्रियता का राज छिपा हुआ है। हमारे करियर में चेहरे की खूबसूरती की भूमिका दस प्रतिशत होती है, पर वाणी की खूबसूरती की भूमिका नब्बे प्रतिशत। अगर काला व्यक्ति भी सही ढंग से बोलेगा तो लोगों को सुहाएगा और गोरा व्यक्ति अंट-संट बोलेगा तो लोगों को खटकेगा। ग्राहक भी उसी दुकान पर ज्यादा आते हैं जहां मिठास भरा व्यवहार होता है और घर में भी वही बहू सास को ज्यादा सुहाती है जो मिठास भरी भाषा बोलती है।

हितग्राहियों को समय-सीमा में मिले योजनाओं का लाभ- कलेक्टर श्रीमती रानू साहू

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। कलेक्टर श्रीमती रानू साहू ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक ली। उन्होंने शासकीय योजनाओं की विभागवार समीक्षा की। कलेक्टर श्रीमती साहू ने कहा कि हितग्राहियों को योजनाओं का समय-सीमा में लाभ मिले तथा उनकी समस्याओं का निराकरण हो। यह सभी विभागों का दायित्व है। इसके लिए आवश्यक है कि सभी अधिकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की फील्ड लेवल तक मॉनिटरिंग करें और हितग्राहियों से फीडबैक लें। इससे प्रशासकीय स्तर पर योजना के संचालन में प्रभावशीलता बढ़ेगी और अधिक से अधिक हितग्राही लाभान्वित होंगे।

कलेक्टर श्रीमती साहू ने गोधन न्याय योजना के अंतर्गत गोबर खरीदी, वर्मी कम्पोस्ट निर्माण के साथ पशुपालकों और समूहों के भुगतान की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि हितग्राहियों को नियमित रूप से भुगतान हो यह सुनिश्चित करें। कलेक्टर श्रीमती साहू ने स्वास्थ्य सेवाओं के अंतर्गत हाट-बाजार क्लीनिक के संचालन की

जानकारी ली तथा वहां मरीजों को उपलब्ध कराए जा रहे जांच व दवा के बारे में भी पूछा। उन्होंने कहा कि ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सुदृढ़ीकरण की दृष्टि से हाट-बाजार क्लीनिक की महत्वपूर्ण भूमिका है। अत: निर्धारित शेड्यूल के अनुसार हाट-बाजार क्लीनिक लगाएं।

कलेक्टर श्रीमती साहू ने जिले में चल रहे एनआरसी तथा उसमें उपचाररत बच्चों के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि एनआरसी कुपोषित बच्चों में पोषण स्तर सुधारने के लिए चलायी जा रही है। अत: एनआरसी केन्द्रों में बेड नियमित रूप से भरे हो तथा उन्हें निर्धारित मेनू अनुसार डाइट दिया जाए। जिससे बच्चे जल्द स्वस्थ हो। कलेक्टर श्रीमती साहू ने राजस्व प्रकरणों के निराकरण पर चर्चा करते हुए कहा कि कार्यालयों में प्रकरण लंबित न रहे।

किसानों के हित के लिए मंडी अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्यों की गई नियुक्ति - मंत्री गुरू रूद्रकुमार

श्रीकंचनपथ न्यूज

मुंगेली। प्रदेश के लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एवं ग्रामोद्योग मंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री गुरु रुद्रकुमार आज जिला मुख्यालय स्थित आदर्श कृषि उपज मंडी समिति मुंगेली के नवनियुक्त अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्यों के पदभार ग्रहण कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने मंडी परिसर स्थित कार्यालय में पहुंचकर नवनियुक्त अध्यक्ष श्री आत्मा सिंह क्षत्रिय, उपाध्यक्ष श्रीमती कमलेश्वरी बंजारा एवं सदस्य देवेन्द्र वैष्णव, घनानंद साहू, भरत कश्यप, श्री केशव अंचल और सूरज मंगलानी को विधिवत पदभार ग्रहण कराया।

इससे पहले प्रभारी मंत्री श्री गुरू रूद्रकुमार का मंडी परिसर में भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री गुरू रुद्रकुमार ने नवनियुक्त अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्यों को बधाई

एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की मंशानुरूप हमारी सरकार किसानों के हित के लिए लगातार कार्य कर रही है।

किसानों के आर्थिक समृद्धि के लिए राज्य में अनेक योजनाएं संचालित की जा रही है। उन्होंने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि जिले के किसानों के हित के लिए मंडी अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति की गई है। किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य दिलाने की जिम्मेदारी कृषि उपज मंडी की है। उन्होंने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि नवनियुक्त अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सभी सदस्य किसानों की जरूरतों व समस्याओं को ध्यान में रखकर कार्य करेंगे, जिससे किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य समय पर मिल सके। पदभार ग्रहण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नवनियुक्त मंडी अध्यक्ष श्री क्षत्रिय ने कहा कि राज्य शासन ने जो जिम्मेदारी दी है, उसे पूर्ण कर्तव्यनिष्ठा से किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मंडी में किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाएगा।

साथ ही किसानों को उनकी फसलों का उचित मूल्य दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा. इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती लेखनी सोनू चंद्राकर, नगरपालिका परिषद मुंगेली के अध्यक्ष हेमेन्द्र गोस्वामी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष संजीत बनर्जी, छत्तीसगढ़ श्रम कल्याण मण्डल व जिला पंचायत के सदस्य श्रीमती अम्बालिका साहू, छत्तीसगढ़ भवन सन्निर्माण कर्मकार मण्डल के सदस्य श्याम जायसवाल, जिला पंचायत सदस्य वशी उल्लाह खां, श्रीमती जागेश्वरी वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, पूर्व विधायक चन्द्रभान बारमते, चुरावन मंगेश्कर और प्रतिष्ठित नागरिक राकेश पात्रे, दुर्गा बघेल, सागर सिंह बैस, अनिल सोनी व बड़ी संख्या में किसान मौजूद थे।

शैक्षणिक कैरियर मार्गदर्शन कार्यशाला का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। कैरियर गाइडेंस कार्यक्रम का हुआ सफल आयोजन महामानव मल्टीपर्पस सोसायटी, भिलाई दुर्ग द्वारा डॉ. बाबा साहेब आम्बेडकर सांस्कृतिक भवन सेक्टर -6 भिलाई में कैरियर गाइडेंस कार्यशाला का आयोजन किया गया।

भिलाई- दुर्ग के अतिरिक्त अन्य जिलों से भी पधारे छात्र-छात्राओं को शिक्षा व अन्य क्षेत्रों में कैरियर कैसे बनायें एवं तय करे पर सकारात्मक टिप्स देकर बेहतरीन तरीके से मोटिवेट किया गया

जिसकी कार्यशाला में उपस्थित हर किसी शख्स ने प्रसशा किये और बेहतरीन मोटिवेशन के लिए सभी ने महामानव संस्था को साधुवाद दिया । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पधारे मान. महादेव कावरे जी (दुर्ग संभागीय आयुक्त) ने अपने संघर्षमयी जीवन को बताते हुए सबको प्रेरित किये व सुविधाओं का उपयोग सही तरीके से सही सोच के साथ किया जाये तो सफलता जरूर मिलेगी क्योकि जब सुविधाएं नहीं थी तो लोगों के पास बहाना नहीं होता था बल्कि उनके हौसले, उनकी लगन और मेहनत ही उनके लिए सुविधाओं का काम करते थें, इसलिए आज कि समय में बहाना बनाना अर्थात स्वयं को पीछे लेकर जाना होगा। जैसे अनेक उदाहरण से उन्होंने सबको कैरियर के प्रति मोटिवेट किया किया जिससे उपस्थित सभी लोगों का उत्साह बढ़ा और सबने प्रसंशा भी किये।

डॉ संजय वालवान्द्रे ने कहा हम चाहे कितना भी अच्छा नॉलेज रखे, कितनी भी अच्छी सुख सुविधाओं के बीच रहकर पढ़ाई करें किन्तु हमे जो बनाना है उसके प्रति अगर हमारा स्वयं का आत्मविश्वास नहीं है तो हम कभी भी आगे नहीं बढ़ पायेगे।

खरीफ फसल बीमा की अंतिम तिथि 15 को

राजनांदगांव। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना खरीफ 2022 के तहत फसल को प्रतिकूल मौसम सूखा, बाढ़, कीट व्याधि, ओलावृष्टि आदि प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान में वित्तीय सहायता के लिये विगत माह से फसल बीमा का कार्य प्रारंभ हो चुका है। फसल बीमा कराने की अंतिम तिथि 15 जुलाई 2022 निर्धारित है। जिसमें अब मात्र 10 ही दिवस शेष है। जिले हेतु मुख्य फसल धान सिंचित एवं धान असिंचित तथा अन्य फसल सोयाबीन एवं अरहर फसल का बीमा करा सकते हैं। योजनांतर्गत बीमा इकाई ग्राम निर्धारित है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनांतर्गत ऋणी एवं अऋणी कृषक जो भू-धारक व बटाईदार हो सम्मिलित हो सकते हैं।

खास-खबर

झारखंड का युवक रायपुर में बना 'मुन्ना भाई', एसएससी की परीक्षा देते पकड़ाया, साथी भी गिरफ्तार

रायपुर (ए)। राजधानी में एक बार फिर फर्जी परीक्षार्थी पकड़े गए हैं। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, टाटा कंसल्टेंसी द्वारा 5 जुलाई को एसएससी की परीक्षा आयोजित की गई थी। आइडीजेड सरोना स्थित पार्थिवी प्रोविंस कमर्शियल काम्पलेक्स स्थित परीक्षा सेंटर में सोनवीर सिंह की जगह अश्विनी कुमार को परीक्षा देते हुए पर्यवेक्षक ने पकड़ा। इसकी जानकारी तत्काल पुलिस को दी गई। दोनों झारखंड के बताए जा रहे हैं।

शिकायतकर्ता टाटा कंसल्टेंसी के आपरेशन एक्जीक्यूटिव सागर शर्मा ने बताया कि पर्यवेक्षकों द्वारा पकड़े जाने पर पहले तो अश्विनी ने भटकाने का प्रयास किया। कड़ाई करने पर उसने पूरा षड़यंत्र उजागर किया। उसने सेंटर के बाहर बैठे सोनवीर का भी पता बता दिया। शिकायत के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। परीक्षा के दौरान जांच में यह पाया गया कि सोनवीर का प्रवेश पत्र तथा आधार कार्ड अश्वनी द्वारा पेश किया गया, जिसमें फोटो तथा हस्ताक्षर अलग-अलग थे। इसे देखकर पहले शक हुआ, जिसके आधार पर पूछताछ हुई। मामले में आरोपित अश्विनी कुमार एवं सोनवीर सिंह के विरूद्ध अपराध धारा 420,468,471,34 भादवि का पाए जाने से अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में ले लिया गया है।

दहेज में बाइक नहीं मिलने पर नवविवाहिता की पिटाई

रायपुर (ए)। उरला इलाके में एक नवविवाहिता की शिकायत पर पुलिस ने पति के खिलाफ दहेज प्रताड़ना का केस दर्ज किया है। आरोप है कि मोटरसाइकल नहीं लाने पर पति ने मारपीट की। पुलिस ने बताया कि पीड़ित महिला का पति मुकेश तिवारी हमेशा दहेज को लेकर परेशान करता है। छोटी-छोटी बातों को लेकर मारपीट करता है। दहेज में मोटरसाइकिल नहीं लाने का ताना देता था। तीन जुलाई की रात को शराब पीकर आया और दहेज की बात को लेकर गाली-गलौज करते हुए राड से सिर और पीठ पर वार कर दिया। घरवालों ने किसी तरह उसका रक्षण किया।

बलौदाबाजार में सराफा व्यापारी से 33 लाख की लूट

बदमाशों ने कट्टा दिखाकर रोका 25 किलो चांदी, 250 ग्राम सोना लूटा

पलारी (ए)। बलौदाबाजार में बाइक सवार बदमाशों ने सोमवार देर शाम एक ज्वैलर्स से 33 लाख रुपए के गहने लूट लिए। ज्वैलर्स दुकान बंद कर अपने घर जा रहा था। इसी दौरान बाइक सवार बदमाश पहुंचे और कट्टा दिखाकर बाइक की डिक्की में रखे गहने निकाल लिए। डिक्की में 25 किलो चांदी और 250 ग्राम सोने के गहने थे। इसके अलावा 3 लाख रुपए नगद भी थे। व्यापारी ने मामले की शिकायत भाटापारा थाने में की है। हालांकि पुलिस ने अभी तक एफआईआर दर्ज नहीं की है।

जानकारी के मुताबिक, भाटापारा निवासी अमन सोनी की तरेंगा-रोहरा मार्ग पर महालक्ष्मी ज्वैलर्स के नाम से दुकान है। रोज की तरह वह सोमवार शाम करीब 7-8 बजे दुकान बंद कर अपने घर जा रहे थे। उनके साथ उनकी बहन भी थी। अभी वे दुकान बंद कर आगे बढ़े थे कि बाइक सवार तीन बदमाश पीछे से पहुंच गए। उन्होंने अमन और उनकी बहन को कट्टा सटा दिया। इसके बाद बाइक की डिक्की में रखे गहने और रुपए लूटकर भाग निकले।

सफेद रंग की बाइक थी, नंबर था 3388

व्यापारी अमन सोनी ने बताया कि वह दुकान से आगे स्कूल के पास पहुंचे थे कि एक बाइक पर सवार तीन लोग आए। उनमें दो के हाथ में कट्टा था। बदमाशों ने रुकने का इशारा किया, पर वे आगे बढ़ गए। इसके बाद बदमाशों ने आगे आकर बाइक सामने रोक दी। एक बदमाश ने उसे और दूसरे ने उनकी बहन को कट्टा लगा दिया। सफेद रंग की अपाचे बाइक थी और नंबर 3388 था। सब इतनी जल्दी हुआ कि चेहरा याद नहीं है।

पुलिस ने अभी नहीं दर्ज की एफआईआर

व्यापारी थाने पहुंचा और शिकायत की। पुलिस मामले की जांच कर रही है। फिलहाल अभी तक कोई पकड़ा नहीं गया है। पुलिस का कहना है कि सीमावर्ती इलाकों में नाकाबंदी की गई है। बताया जा रहा है कि लूटेरों ने किसी भी तरह का नकाब नहीं पहन रखा था। पुलिस ने बताया कि लूटे गए गहनों और रुपयों को लेकर जो दावा किया जा रहा है, उसकी रसीद नहीं मिली है। इसके चलते मामला दर्ज नहीं किया है।

सोता रहा परिवार और घर में हो गई लाखों की चोरी

रायपुर (ए)। मुजगहन इलाके में चोरों ने धावा बोलकर लाखों के आभूषण पार कर दिए। रविवार-सोमवार की रात मितानिन समूह की अध्यक्ष पुन बाई माहेश्वर के घर चोरी हुई। जब चोरी हुई, उस समय पूरा परिवार घर में ही था। सदस्यों को चोरी की भनक तक नहीं लगी। पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार, प्रार्थी के सतनामीपारा स्थित घर से सोने के तीन हार, एक चेन, तीन सेट झुमका, एक सकरी, एक मराठी माला के अलावा चांदी के जेवर व 49 हजार रुपये नकद चोरी हुए हैं।

सुबह नींद खुली तब आलमारी का लाकर मिला खाली

महिला ने पुलिस को बताया कि परिवार के बाकी सदस्य अपने-अपने कमरे में सो गए थे। उनकी बेटी व बच्चे उनके कमरे में सोए हुए थे। वह सुबह चार बजे सोकर उठी तो उसे अलमारी का गेट खुला मिला। उसने आवाज लगाकर सब को बुलाया। सामान की जांच की तो अलमारी में रखे आभूषण और नकदी गायब थी।

सीसीटीवी में मिले सुराग

जांच में जुटी एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट की टीम को कई अहम सुराग मिले हैं। चोरी करने के बाद मकान के बाहर खुले जगह में आभूषणों के बक्से को फेंक दिया गया। वहीं दूसरी जगह पर आलमारी से चोरी किया गया पर्स भी मिला है। इसके साथ ही संदेहियों और हाल ही में चोरी के मामले से जेल से छूटे अपराधियों की तलाश पुलिस कर रही है।

चार माह बाद भी डकैतों का सुराग नहीं

टिकरापारा थाने इलाके में पति-पत्नी को बंधक बनाकर 12 लाख की डकैती को अंजाम दिया गया। चार माह बीतने के बाद भी अब तक डकैतों का सुराग हाथ नहीं लगा है। घटना तीन अप्रैल रात की है। छह डकैत घर में घुसकर व्यापारी को और उसकी पत्नी को बंधक बनाया। घर में रखे सोने के जेवर और नकदी लेकर फरार हो गए। साथ में दो पहिया वाहन तक चुरा ले गए। पुलिस चोरी की गई गाड़ी तक को नहीं खोज सकी है।

कोर्ट की कार्रवाई: नाबालिग से अश्लील हरकत करने वाले को तीन साल कैद

दुर्ग। नाबालिग से अश्लील हरकत करने वाले 50 वर्षीय बुजुर्ग राजू नाग निवासी गौतम नगर को कोर्ट ने 3 साल की सश्रम कारावास की सजा सुनाई। आरोपी पर धारा 452, 354 और पॉक्सो के तहत दोष सिद्ध पाया गया। सभी धाराओं पर उसे तीन-तीन वर्ष से दंडित किया गया। इसके साथ उस पर तीन सौ रुपए का आर्थिक दंड लगाया गया। यह फैसला न्यायाधीश विनोद देवांगन की कोर्ट से आया।

लोक अभियोजक राजेश साहू के मुताबिक घटना खुर्सीपार थाना क्षेत्र की है। 8 दिसंबर 2018 को 16 वर्षीय नाबालिग के परिजन ने आरोपी के खिलाफ शिकायत की थी। पीड़िता ने बताया कि वह अपने घर में छोटे भाई के साथ सो रही थी। इसी दौरान आरोपी पड़ोसी उसके पास आकर सो गया। इसके बाद वह उसके साथ अश्लील हरकत करने लगा। शोर मचाने पर उसकी छोटा भाई जाग गया।

अपने छोटे भाई के साथ मिलकर वह आरोपी को पकड़ने की कोशिश करने लगी। इसी दौरान उसकी मां और नानी भी आ गई। इसके बाद आरोपी हाथ छुड़ाकर भाग गया था। नाबालिग ने पूरी घटना परिजनों को बताई। इसके बाद मामला थाने पहुंचा। पुलिस ने जांच शुरू की। मामले में पुलिस ने अपराध दर्ज कर प्रकरण न्यायालय में प्रस्तुत किया। जहां से आरोपी को सजा सुनाई गई।

निर्माणाधीन सड़क से लोहे का चैनल पार करने वाले गिरफ्तार

बिलासपुर (ए)। निर्माणाधीन सड़क से लोहे का चैनल पार करने वालों को सिरगिट्टी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपित के कब्जे से पुलिस ने लोहे का सामान जब्त कर न्यायालय में पेश किया है। सिरगिट्टी थाना प्रभारी सागर पाठक ने बताया कि तालापारा में रहने वाले मोहम्मद नौशाद ठेकेदार हैं। वे सिरगिट्टी के गोविंद नगर में सड़क निर्माण का काम करा रहे हैं। तीन जुलाई की रात उन्होंने काम के बाद लोहे का चैनल निर्माणाधीन सड़क में लगाकर छोड़ दिया था। दूसरे दिन सुबह जब श्रमिक काम पर आए तो चैनल गायब था। श्रमिकों ने इसकी जानकारी ठेकेदार को दी।

इस पर ठेकेदार ने आसपास अपने सामान की तलाश की। लोहे का सामान नहीं मिलने पर उन्होंने इसकी शिकायत थाने में की। शिकायत पर पुलिस जुर्म दर्ज कर चोरों की तलाश कर रही थी। पूछताछ के दौरान पता चला कि महिमानगर सिरगिट्टी में रहने वाले शेख शहजादा(26) ने अपने दोस्त के साथ मिलकर चोरी की है।

राजधानी में 10 नशेड़ियों पर कार्रवाई, एक लाख का जुर्माना

रायपुर (ए)। शराब सेवन कर नशे की हालत में वाहन चलाने वालों के विरुद्ध विशेष अभियान कार्रवाई जारी है। रविवार को 10 नशेड़ियो पर कार्रवाई कर एक लाख से अधिक का जुर्माना वसूला गया। यातायात बाधित कर रोड में डीजे बजाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई। दो दिनों में तीन डीजे संचालकों से 10 हजार का जुर्माना लिया गया। उल्लेखनीय है कि शहर की यातायात व्यवस्था के सुगम संचालन साथ लापरवाह वाहन चालकों और नियम तोड़ने वालों के विरुद्ध कार्रवाई के लिए अधिकारियों ने विशेष निर्देश दिया है।

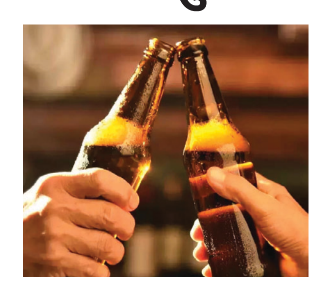

शहर के प्रमुख मार्गों एवं चौक चौराहों पर तैनात रहकर नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। रोजाना दर्जनों ऐसे चालकों के विरुद्ध कार्रवाई हो रही है। यातायात पुलिस रायपुर द्वारा प्रत्येक शनिवार और रविवार को विशेष चेकिंग अभियान चलाया जाता है। जिसके तहत नशे की हालत में वाहन चलाते पाए जाने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए प्रकरण कोर्ट भेजा जाता है।

पांच करोड़ लोन दिलाने का झांसा देकर की तीन लाख की ठगी

रायपुर (ए)। पांच करोड़ रुपये का पर्सनल लोन दिलाने के नाम पर तीन लाख रुपये की ठगी कर दी गई। पुलिस के अनुसार, ठेकेदार अभय काले ने श्री गणपति फाइनेंस कंपनी/आरएसडी अल्फा फाइनेंस कंपनी के डायरेक्टर रवि दुबे के खिलाफरिपोर्ट दर्ज कराई है। अभय काले ने पुलिस को बताया है कि व्यवसायिक कार्य के लिए राशि की जरूरत थी।

एक कर्मचारी के माध्यम से उन्होंने कंपनी से संपर्क किया। वह और उसके व्यवसायिक भागीदार जय कुमार साव, फाइनेंस कंपनी के डायरेक्टर रवि दुबे से पंडरी कपड़ा मार्केट स्थित कार्यालय में मिलने के लिए गए। रवि दुबे ने अलग-अलग दस्तावेजों की जांच के बाद पांच करोड़ रुपये लोन दिलाने का आश्वासन दिया। दस्तावेज जमा करने के बाद रवि ने एक अनुबंध कराया। रवि ने लोन दिलाने की प्रोसेसिंग शुल्क के रूप में तीन लाख रुपये की मांग की, जिसे गणपति फाइनेंस कंपनी के बैंक खाते में आरटीजीएस के माध्यम से जमा किया गया। अनुबंध के मुताबिक 25 दिनों के भीतर लोन नही मिलने पर जब उन्होंने रवि से संपर्क किया तब वो बहानेबाजी करने लगा। कुछ दिनों बाद रवि ने फोन उठाना भी बंद कर दिया। कुछ दिन बात पता चला कि किराए की रकम नही देने के कारण कार्यालय बंद कर दिया गया है। पीड़ित ने 25 हजार रुपये, कंपनी के फाइनेंसर को कानपुर से रायपुर आने-जाने और रहने के खर्च के रूप में दिए थे। अनुबंध में लोन की रकम देने का आश्वासन रवि दुबे ने दिया था। अनुबंध में यह भी उल्लेख किया गया था कि लोन की रकम 25 दिनों के भीतर नहीं मिलने पर प्रोसेसिंग शुल्क तुरंत वापस कर दी जाएगी। समय बीतने के बाद भी रवि ने राशि नहीं लौटाई। यहां तक कि फोन उठाना भी बंद कर दिया।

पुलिस ने ढूंढे 15 लाख के गुम हुए मोबाइल

वापस मिलते ही लोगों के खिल उठे चेहरे साइबर पुलिस की रही अहम भूमिका

जगदलपुर (ए)। बस्तर पुलिस ने लोगों के गुम हुए करीब 150 मोबाइल फोन को ढूंढ निकाला है। इनमें से 124 मोबाइल मालिकों को उनके फोन लौटा दिए गए हैं। जबकि, शेष बचे फोन के मालिक पुलिस के पास फोन लेने अभी नहीं पहुंचे हैं। ढूंढे गए फोन की अनुमाति कीमत लगभग 15 लाख से ज्यादा बताई जा रही है। इधर, अफसरों ने कहा कि, साइबर सेल की मदद से ही सारे मोबाइल को ढूंढा गया है। 'टेक बैक योर प्रॉपर्टी 'अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई है। फोन मिलते ही लोगों के चेहरे खिल उठे।

जानकारी के मुताबिक, पिछले कुछ दिनों से बस्तर जिले के सभी थाना में मोबाइल गुम होने या फिर चोरी होने की लगातार सूचना आ रही थी। जिसके बाद एसपी जितेंद्र सिंह मीणा ने सभी थानों से मोबाइल फोन की डिटेल मंगवाई। फिर साइबर सेल की एक टीम गठित की और मोबाइल फोन ढूंढने के लिए टीम को निर्देशित किया। साइबर की टीम ने कुछ दिनों के अंदर ही गुम हुए 150 फोन को किसी तरह से ढूंढ निकाला। जिसके बाद पुलिस अधिकारियों ने 124 मोबाइल फोन को उनके मोबाइल मालिकों को लौटा दिया है।

अब तक 700 से ज्यादा मोबाइल लौटा चुके

दरअसल, बस्तर पुलिस 'टेक बैक योर प्रॉपर्टी 'अभियान चला रही है। इस अभियान के तहत बस्तर पुलिस ने अब तक 700 से ज्यादा गुम हुए मोबाइल फोन को ढूंढ कर संबंधित मोबाइल मालिकों को लौटा दिए हैं। जगदलपुर के स्क्र जितेंद्र सिंह मीणा ने कहा कि, अपराध को रोकने के लिए पुलिस हर संभव प्रयास कर रही है।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग (छत्तीसगढ़)

दुर्ग, दिनांक 27.06.2022

(ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना)

प्रथम आमंत्रण

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से ऑनलाईन निविदायें प्रपत्र ''अ'' में प्रतिशत दर पर दिनांक 18.07.2022 तक आमंत्रित की जाती है :-

निविदा आमंत्रण सू.क्र./सि.क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (राशि लाख में)
62/104146	लोक निर्माण विभाग, अनुविभाग गुण्डरदेही के अंतर्गत विभिन्न शासकीय आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में साधारण मरम्मत कार्य	25.00
64/104148	लोक निर्माण विभाग, अनुविभाग गुण्डरदेही के अंतर्गत विभिन्न शासकीय आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में विशेष मरम्मत कार्य	22.00
66/104149	लोक निर्माण विभाग अनुविभाग क्र. 02 राजनांदगांव के अंतर्गत कुमरदा एवं छुरिया सेक्शन में सड़क एवं पुल का विशेष मरम्मत/साधारण मरम्मत कार्य	30.00
67/104150	लोक निर्माण विभाग अनुविभाग क्र. 01 राजनांदगांव के अंतर्गत हेड क्वार्टर सेक्शन क्र. 03 विभिन्न आवासीय/गैर आवासीय भवनों का विशेष मरम्मत, साधारण मरम्मत, एम.ओ.डब्ल्यू. एवं जमा कार्य	79.97
68/104151	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग क्र. 01 राजनांदगांव के अंतर्गत हेड क्वार्टर सेक्शन क्र. 01 विभिन्न आवासीय/गैर आवासीय भवनों का विशेष मरम्मत, साधारण मरम्मत, एम.ओ.डब्ल्यू. एवं जमा कार्य	80.00
69/104152	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग क्र. 01 राजनांदगांव के अंतर्गत हेड क्वार्टर सेक्शन क्र. 02 विभिन्न आवासीय/गैर आवासीय भवनों का विशेष मरम्मत, साधारण मरम्मत, एम.ओ.डब्ल्यू. एवं जमा कार्य	79.99
70/104153	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग क्र. 02 राजनांदगांव के अंतर्गत हेड क्वार्टर सेक्शन क्र. 03 विभिन्न आवासीय/गैर आवासीय भवनों का विशेष मरम्मत, साधारण मरम्मत, एम.ओ.डब्ल्यू. एवं जमा कार्य	25.00
71/104154	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग चौकी के अंतर्गत हेड क्वार्टर सेक्शन मोहला, मानपुर एवं बोरिया विभिन्न आवासीय/गैर आवासीय भवनों का विशेष मरम्मत साधारण मरम्मत, एम.ओ.डब्ल्यू. एवं जमा कार्य	80.00
72/104155	लोक निर्माण विभाग अनुविभाग क्र. 01 राजनांदगांव के अंतर्गत हेड क्वार्टर तिलई एवं घुमका के सड़क एवं पुल का विशेष मरम्मत, साधारण मरम्मत कार्य	35.00
73/104156	लोक निर्माण विभाग अनुविभाग क्र. 01 राजनांदगांव के अंतर्गत हेड क्वार्टर मोहला मानपुर एवं बोरिया के सड़क एवं पुल का विशेष मरम्मत, साधारण मरम्मत कार्य	60.00
74/104157	लोक निर्माण विभाग अनुविभाग क्र. 01 राजनांदगांव के अंतर्गत हेड क्वार्टर सेक्शन नं. 01 एवं 02 का सड़क एवं पुल का विशेष मरम्मत कार्य	50.00
75/104158	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग चौकी के विभिन्न आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में रंगाई-पोताई, डिस्टेम्परिंग एवं पेंटिंग कार्य	30.00
76/104169	थानखम्हरिया के जय स्तंभ चौक से साजा खम्हरिया मार्ग कि.मी. 17/4 से 17/8 = 345 मीटर सीमेंट कांक्रीट पहुंच मार्ग निर्माण कार्य	49.81

टीप :-
1. एन.आई.टी. क्र. 62 एवं 64 लोक निर्माण विभाग बालोद संभाग से संबंधित है, एनआईटी क्र. 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74 एवं 75 लोक निर्माण विभाग राजनांदगांव संभाग से संबंधित है, एनआईटी क्र. 76 लोक निर्माण विभाग बेमेतरा संभाग से संबंधित है.
2. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब portal एवं विभागीय वेबसाइट http://eproc.cgstate.gov.in से डाऊनलोड की जा सकती है.
3. पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय में भेजे जाने वाले लिफाफे के ऊपर एन.आई.टी. क्रमांक एवं कार्य का नाम अनिवार्य रूप से अंकित किया जायें.

जी-92718/8

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग
दूरभाष - 0788-2210876

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

Authorised For : SOMANY Wall & Floor Tiles
JOHNSON Not just tiles, Lifestyles.
orientbell tiles
All Size of Tiles, Granite and Sanitaries
SHRI BALAJI TILES
Krishna Talkies Road, SBI Building, Opp. Church, Risali, Bhilai-490006
Distt.-Durg (C.G.), Mo.-9518326808
E-mail:- balajitilescg@gmail.com

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बड़ौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

खास - खबर

टीएल में उपस्थित विभागीय अधिकारियों के साथ होगा जनदर्शन

दुर्ग। जनदर्शन की समस्याओं का समाधान त्वरित हो सके इसके लिए अब से मंगलवार टीएल मीटिंग के दिन सभागार कक्ष में ही अधिकारियों की उपस्थिति में जनदर्शन किया जाएगा, कलेक्टर पुष्पेन्द्र कुमार मीणा ने जिले की पहली टीएल मीटिंग में उपस्थित अधिकारियों को सूचित किया। इस अवसर पर उन्होंने राज्य की योजनाओं को प्राथमिकता देने और अंतिम व्यक्ति तक प्रशासन कैसे जुड़ सके इस पर चर्चा की। उन्होंने आगे कहा कि अग्रिम टी.एल. मीटिंग से विभाग क्रमवार अपने डिपार्टमेंट का एजेंडा और कार्य से संबंधित जानकारी मुहैया कराएंगे, जिसके आधार पर डिपार्टमेंट की समीक्षा की जाएगी। उन्होंने सभी अधिकारियों को टीएल के पूर्व सभी जानकारी अपडेट करने के और उसकी तैयारी के साथ टीएल में आने के निर्देश भी दिए। इसके साथ ही उन्होंने सभी विभागों के जनदर्शन के प्रकरण का बारी-बारी अवलोकन किया और लंबित प्रकरणों का शीघ्र से शीघ्र निराकरण करने के लिए कहा। कलेक्टर ने प्रबंधन में और कसाव लाने के लिए प्रत्येक विभाग के रिव्यू के लिए कैलेंडर जारी करने की बात कही है।

स्कूलों में राइट-टू-एजुकेशन की हो रही है अवमानना

दुर्ग। नागरिक अपनी समस्याओं को लेकर कलेक्टर जनदर्शन में पहुंच रहे हैं और प्रशासनिक अमला भी उनके आवेदनों के निराकरण के लिए सतत् प्रयासरत हैं। राइट-टू-एजुकेशन में चयनित हुई छात्रा को स्कूल प्रबंधन प्रवेश नहीं दे रहा है इसे लेकर आवेदक ने आज कलेक्टर के समक्ष जनदर्शन में आवेदन लगाया है। अपने आवेदन में उसने उल्लेखित किया है कि उसकी बेटी का चयन राइट-टू-एजुकेशन के तहत् डी.पी.एस. भिलाई में हुआ था। स्कूल प्रबंधन के द्वारा वांछित मूल्य दस्तावेजों का सत्यापन भी किया जा चुका है परंतु आवेदक को सूचित किया गया कि प्रवेश के लिए उन्हें अलग से जानकारी मुहैया कराई जाएगी। काफी दिनों पश्चात् जब आवेदक द्वारा प्रवेश के संबंध में जानकारी मांगी गई तो आवेदक को पुन: फोन पर सूचना दी जाएगी ऐसा कहा गया। कोई सूचना न मिलने पर आवेदक 01 जुलाई को स्कूल गया तब उसे शाला प्रबंधक द्वारा बताया गया कि प्रवेश की अंतिम तिथि 30 जून थी क्योंकि आप एडमिशन के लिए नहीं आए इसलिए आपका स्थान निरस्त कर दिया गया।

वोरा ने नव नियुक्त कलेक्टर और निगम आयुक्त को लिखा पत्र

रूके विकास कार्यों को तेजी से पूरा कराने और व्यवस्था दुरुस्त करने तत्काल उठाएं कदम

बारिश में अलर्ट रहे आपदा प्रबंधन की टीम

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। वरिष्ठ कांग्रेस विधायक अरुण वोरा ने नवनियुक्त कलेक्टर पुष्पेंद्र मीणा और निगम कमिश्नर प्रकाश सर्वे को पत्र लिखकर कहा है कि दुर्ग शहर में विकास कार्यों की व्यापक स्तर पर समीक्षा जरूरी है। वोरा ने कहा कि नगर निगम, पीडब्लूडी के विकास कार्यों सहित दूसरे विभागों की कल्याणकारी योजनाओं से नागरिकों को लाभान्वित करने की दिशा में तेजी से कदम उठाए जाएं। वोरा ने पत्र में शहर की यातायात व्यवस्था पर भी चिंता जताते हुए दुर्घटनाओं पर रोक लगाने प्रभावी कदम उठाने पर जोर दिया है।

वोरा ने कहा कि दुर्ग शहर की प्रमुख सड़कों के अधूरे कार्यों को तत्काल पूरा करना जरूरी है। जीई रोड, गौरव पथ पर पोल लगे हैं लेकिन लाइट नहीं लगाई गई है। सड़कों पर अंधेरा होने के कारण शहरवासियों को न सिर्फ परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, बल्कि दुर्घटनाएं भी हो रही हैं। इसके अलावा प्रमुख मार्गों पर गड्?ढे भरना बेहद जरूरी है। इसके अलावा सड़कों पर आवारा पशुओं के कारण भी दुर्घटनाएं हो रही हैं। यातायात नियंत्रण की दिशा में व्यापक स्तर पर पहल करना आवश्यक है।

वोरा ने कहा कि नगर निगम व पीडब्लूडी के रुके विकास कार्यों को तेजी से पूरा कराया जाए। ठगड़ा बांध पिकनिक स्पॉट, पुलगांव नाला डायवर्सन, साइंस कालेज स्थित निर्माणाधीन ऑडिटोरियम, स्कूल भवन निर्माण सहित अन्य रुके कार्यों को तत्काल पूर्ण किया जाए। वोरा ने बारिश के मौसम को देखते हुए निगम आयुक्त से कहा है कि पानी की निकासी के बेहतर इंतजाम किये जाएं। कहीं पर भी जलभराव की समस्या मिलने पर तत्काल निकासी की व्यवस्था करें।

वोरा ने जिला प्रशासन और नगर निगम के बाढ़ नियंत्रण कक्ष में 24 घंटे अलर्ट होकर कार्य करने और आपदा की स्थिति में तत्काल कदम उठाने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि नाले और नालियों में कचरा जाम होने की स्थिति में नियमित सफाई करें, ताकि पानी की निकासी होती रहे। वोरा ने निगम प्रशासन को अलर्ट करते हुए कहा है कि जर्जर भवनों पर नजर रखें ताकि लगातार बारिश होने से इनके ढहने से होने वाले हादसे टाले जा सकें। नदी नालों के जल स्तर की निगरानी रखने के साथ ही बाढ़ आपदा प्रबंधन और शिवनाथ नदी के महमरा एनीकट पर आवागमन रोकने जैसे सुरक्षात्मक उपाय किये जाएं।

प्रदर्शनकारी हुए भ्रमित: नियमानुसार वेतन और कटौती का निगम प्रशासन ने दिखाया डाटा, चुप्पी साधे नेतृत्वकर्ता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली । समय पर ईएसआई कटौती नहीं होने की जानकारी भ्रामक निकली। मंगलवार को निगम प्रशासन ने सभी ठेका श्रमिकों का दस्तावेज मंगाकर सार्वजनिक किया। इसके बाद प्रदर्शन करने वाले श्रमिक न केवल शांत हुए, बल्कि श्रमिकों का पक्ष लेकर हल्ला मचाने वाले विपक्ष दल के पार्षद भी दबे पांव लौट गए।

कार्यालय खुलते ही कुछ कर्मचारी परिसर में एकत्र होने लगे थे। उनका कहना था कि वे ठेका श्रमिक है। निगम ठेकेदार को हर माह एजेंसी को लाखों का भुगतान करती है। इसके बाद भी उनका हक उन्हें नहीं मिल रहा है। ईएसआई और पीएफ का पैसा उनके खाते में जमा नहीं हो रहा है। यही मामला धीरे-धीरे गरमाने लगा और कार्यालय में प्रदर्शन का रूप ले लिया। स्थिति को देखते हुए निगम के अधिकारियों ने न केवल एजेंसी को तलब किया, बल्कि सारे दस्तावेज को खंगालने के बाद स्थिति को स्पष्ट किया। इसके बाद प्रदर्शनकारियों के साथ आवाज बुलंद करने वाले लौट गए।

इसलिए भ्रम की स्थिति

दरअसल कुछ पुराने ठेका श्रमिक नई एजेंसी में काम कर रहे है। नए एजेंसी में वे अपने पुराना खाता को मर्ज कराया है। पुराना एकाउंट में राशि जमा नहीं दर्शाने पर भ्रम की स्थिति बनी हुई है। जानकारी के मुताबिक नए एजेंसी नियमित कटौतीकर राशि खाते में जमा कर रही है। बकाया जो दर्शा रहा है वह पुराना खाता है। नगर पालिक निगम रिसाली के अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को समझाईश दी कि वे सीधे प्रदर्शन न करे। समस्या होने पर संबंधित एजेंसी से बातचीत करे। समस्या का निराकरण नहीं होने पर वे त्रीपक्षीय बैठक कर समस्या का निराकरण करेंगे।

ब्लास्ट फर्नेस एवं एसजीपी विभाग के कर्मवीर शिरोमणि पुरस्कार से हुए सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई । सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के ब्लास्ट फर्नेस एवं एसजीपी विभाग में षिरोमणि पुरस्कार समारोह का आयोजन मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (ब्लास्ट फर्नेस) सभागार में किया गया। इस अवसर पर विभाग में उत्कृष्ट कार्य प्रदर्षन करने वालो को कर्म षिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मई 2022 माह के लिए एम शंकर राव, श्याम कार्तिक एवं जून 2022 माह के लिए पारस राम नेताम एवं प्रसन्नजीत बनिक को पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (ब्लास्ट फर्नेस) तापस दासगुप्ता एवं मुख्य महाप्रबंधक (ब्लास्ट फर्नेस) सौम्य तोकदार ने अपने-अपने सम्बोधन में सभी पुरस्कृत विजेताओं को बधाई देते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार के उत्कृष्ट कार्य करने हेतु प्रोत्साहित किया। समारोह में विभाग के अन्य

वरिष्ठ अधिकारीगण अरविंद गुप्ता, ए के जोषी, आर आनन्द, विकास नषीने एस सी प्रधान् एवं श्रीमती श्रद्धा सिंग भी उपस्थित रही।

उपस्थित अतिथियों ने भी अपने सम्बोधन में सभी पुरस्कार विजेताओं द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी। समारोह का संचालन प्रबंधक (कार्मिक) ब्लास्ट फर्नेस एवं एसजीपी सुश्री अनुराधा साहा के द्वारा किया गया।

सेवा के भाव को हमेशा सर्वोपरि रखकर कार्य करें : अनीता

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। लायन्स क्लब भिलाई ग्रेट की सत्र 2022-23 के लिए चयनित टीम का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न हुआ।समारोह में मुख्य अतिथि लायन ललित अग्रवाल रीजन चेयरपर्सन, शपथ अधिकारी लायन अनिल अग्रवाल डि. जी एम टी कॉर्डिनेटर, विशिष्ट अतिथि लायन मनीष अग्रवाल जोन चेयरपर्सन उपस्थित थे।

भारतमाता एवं सर मेलविन जोन्स के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलन एवं ध्वज वन्दना के साथ समारोह का शुभारंभ किया गया। ध्वज वंदना लायन प्रभा पटेल ने की। चार्टर अध्यक्ष लायन अनिता अग्रवाल ने स्वागत भाषण देते हुए सभी का स्वागत किया।

श्रीमती अग्रवाल ने सभी साथियों का और नई टीम का हौसला बढ़ाते हुए अहंकार से दूर रहकर विनम्रता का दामन थामे रहने सलाह दी है।शपथ अधिकारी लायन अनिल अग्रवाल ने नव गठित टीम को अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने की शपथ दिलाई। नई टीम का उत्साहवर्धन करते हुए उन्होंने कहा कि, सेवा के भाव को सर्वोपरि रखियेगा। अधिकारी नही सेवक बनकर कार्य कीजिएगा तो कोई वजह नही होगी कि, आप सफल न हों।मुख्य अतिथि रीजन चेयरपर्सन लायन ललित अग्रवाल ने कहा कि यदि हम किसी एक व्यक्ति की भी मदद या सेवा करते हैं तो खुदा की रहमत हमारे साथ होती है। मानव सेवा ही माधव सेवा है।विशिष्ट अतिथि जोन चेयरपर्सन लायन मनीष अग्रवाल ने डिस्ट्रिक्ट प्रोजेक्ट पर कार्य करने के लिए प्रेरित करते हुए नई टीम को बधाई दी।नवीन अध्यक्ष ला. सरोज अग्रवाल ने डि. से मिले निर्देशों का पालन करने हेतु विश्वास दिलाते हुए डिस्ट्रिक्ट प्रोजेक्ट सार्थक को सार्थक करने की बात कही।नूतन सत्र का शुभारंभ करते हुए अतिथियों के हांथों 5 डॉक्टर्स का सम्मान करवाया गया।कार्यक्रम का संचालन लायन ऋतु अग्रवाल एवं आभार प्रदर्शन लायन सचिव प्रमिला मित्तल ने किया। इस अवसर पर लायन्स क्लब भिलाई ग्रेट के सभी सदस्य उपस्थित थे। नई कार्यकारिणी मेंअध्यक्ष लायन सरोज अग्रवाल, सचिव लायन प्रमिला मित्तल, कोषाध्यक्ष लायन भारती अग्रवाल, उपाध्यक्ष लायन ऊषा अग्रवाल, लायन सुनीता शर्मा, लायन अनिता पांडे,सहसचिव लायन बबीता सोनी,सह कोषाध्यक्ष लायन सुनीता बल्लेवार,टेमर लायन प्रभा पटेल,टेल ट्विस्टर लायन वंदना सिंघल,पी आर ओ लायन ममता वर्मा शामिल है।

आयुक्त पहुंचे विकास कार्यों का जायजा लेने जल्द पूर्ण करने अधिकारियों को दिये निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम के नव नियुक्त आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे आज निगम क्षेत्रांतर्गत चल रहे विभिन्न विकास कार्यो के जायजा मौका पर पहुंचे वहां उन्होने चल रहे निर्माण कार्यो का निरीक्षण किया तथा संबंधित एजेन्सी व अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ निर्माण कार्य को जल्द कराने का निर्देश दिया।

इस निरीक्षण के दौरान विभाग के अधिकारियों जिसमें उपायुक्त मोहन्द्र कुमार साहू, प्रभारी कार्यपालन अभियंता शंकर दयाल शर्मा, सहायक अभियंता प्रकाश थवानी, उपअभियंता विकास दामहे, पंकज साहू, भीमराव भी उपस्थित थे।नव नियुक्त आयुक्त विकास कार्यो का जायजा लेने सर्वप्रथम दीपक नगर में निर्माणाधीन आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल पहुंचकर चल रहे निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया तथा वहां निर्माणाधीन एजेन्सी व संबंधित अधिकारी को गुणवत्ता के साथ उक्त कार्य को समय सीमा के अंतर्गत पूर्ण कराने के निर्देश दिये।उसके पश्चात् श्री सर्वे ठगडाबांध सौदर्यीकरण स्थल पहुंचकर वहां के कार्यो का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिये तथा समय पर कार्य को पूरी करने निर्देशित किया।उन्होने शहर की महत्वकांक्षी योजना गौरव पथ का भी जायजा लिया उन्होने वहां पर हो रहे नाली, सड़क निर्माण कार्यो की गुणवत्ता को देखा व आवश्यक निर्देश दिये ।

साथ ही साथ जे.आर.डी.स्कूल में डी.एम.एफफण्ड से चल रहे स्कूल के रेनोवेशन कार्य को देखा, उन्होने उसके बारे में विस्तृत जानकारियां संबंधित अधिकारियों से लिया तथा उक्त कार्य को भी शीघ्र पूर्ण करने को कहा ।साथ ही निगम क्षेत्र में चल रहे अन्य निर्माण कार्यो की भी जानकारियां ली तथा समय सीमा अंतर्गत बिना विलम्ब किये स्वीकृत कार्यो को प्रारंभ करने कर संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया ।

निगम क्षेत्र में आवारा पशुओं की हुई धरपकड़ 22 आवारा मवेशियों को पकड़कर भेजा गौठान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई, क्षेत्र अंतर्गत सड़कों पर घूमने वाले आवारा पशुओं की धरपकड़ की गई, साथ ही निगम का अमला पशुपालकों से रोका-छेका संकल्प अभियान के तहत पशु मालिकों समझाईश दे रहे है कि वे अपने मवेशी के चारा, पानी सहित समुचित व्यवस्था स्वंय करें।

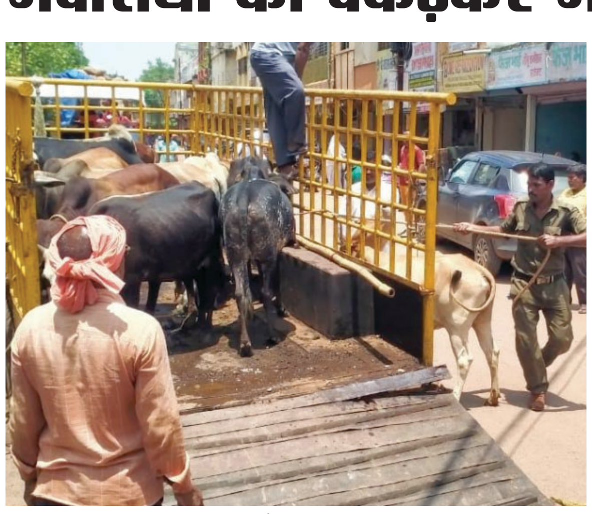

निगम आयुक्त लोकेश चंद्राकर ने गोधन को संरक्षित करने रोका-छेका संकल्प अभियान के तहत पशु मालिकों को अपने मवेशी की सुरक्षा स्वंय करने, चारा, पानी की समुचित व्यवस्था करने कहा है जिससे अनावश्यक घूमने वाले मवेशियों के चलते परेशानी न हो। भिलाई निगम के अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी ने बताया कि सड़कों पर आवारा पशुओं के घूमते हुए पाए जाने पर उन्हें पकड़ने की कार्यवाही की जा रही है। पकड़े हुए मवेशियों को शहरी गोठान में रखा जा रहा है और पशुमालिकों से अर्थदण्ड लेकर लौटाया जा रहा है, इसके बाद भी दोबारा पशुपालक के पशु आवारा की तरह सड़कों पर घूमते हुए पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। छत्तीसगढ़ शासन के द्वारा गोधन को सुरक्षित एवं संरक्षित करने के लिए भरपूर प्रयास किए जा रहे हैं।

सड़कों पर आवारा घूमने वाले पशु यातायात में बाधक बनकर दुर्घटना का कारण बनते हैं जिससे होने वाली दुर्घटना में पशुधन एवं जनधन दोनों की हानि होती है। निगम की अपील है कि इससे बचने के लिए पशुपालक अपने पालतू मवेशियों को सड़कों पर आवारा घूमने न दें। आवारा पशुओं को पकड़ने के लिए परमेश्वर चंद्राकर ने बताया कि दल ने मुख्य रूप से आकाश गंगा सब्जी मंडी, प्रियदर्शनी परिसर, नेहरू नगर चौक से डबरापारा चौक तक नेशनल हाईवे, नंदिनी रोड, छावनी चौक, कुरूद, अवंती बाई चौक, गदा चौक, सुपेला चौक का निरीक्षण कर आवारा पशुओं को पकड़ने की कार्रवाई की। सड़क किनारे घूम रहे कई आवारा पशुओं की धरपकड़ अब तक की जा चुकी है, आज आकाश गंगा सब्जी मंडी से 22 आवारा पशुओं को पकड़ा गया। पकड़े गए गाय, बैल, भैंस, बछिया व अन्य पशुओं को निगम द्वारा संचालित शहरी गौठान में रखा गया है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950